सूर्योदय - 06:26
सूर्यास्त - 05:44
अधिकतम तापमान 32.0°
न्यूनतम तापमान 19.0°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHI/2015/66886

ओपन सर्च

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
Mob. : 9210092542
opensearchnews@gmail.com

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 12 अंक : 324 नई दिल्ली, गुरूवार 29 अक्टूबर -2026
नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार से प्रकाशित
मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

मोदी सरकार ने लिए 4 बड़े फैसले, दिवाली से पहले बड़ा तोहफा

केंद्रीय कर्मचारियों के DA/DR में 3% की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है, जो अब 63% हो जाएगा

नई दिल्ली.एजेंसी

केन्द्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्र सरकार के 4 बड़े फैसलों की जानकारी है। जिसमें सबसे बड़ा तोहफा केन्द्रीय कर्मचारियों को मिला है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय कर्मचारियों के DA/DR में 3% की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है, जो अब 63% हो जाएगा। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई 2026 से लागू मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि 'फैसला प्रधानमंत्री द्वारा 48 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों के लिए दिवाली के तोहफे के रूप में लिया गया है।

साथ ही कैबिनेट ने स्थानीय स्तर पर शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करने और गांवों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए 7,395.55 करोड़ के खर्च के साथ प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना को मंजूरी दी। इससे 2.55 लाख से अधिक पंचायतों और पारंपरिक स्थानीय निकायों के 32 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों को लाभ होगा। वैष्णव ने बताया है कि 'वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खेल विनिर्माण इकोसिस्टम विकसित करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने खेलो इंडिया स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को मंजूरी दी।' इस योजना के लिए वर्ष 2026 से वित्त वर्ष 2033-34 तक 1,856.67 करोड़ का कुल वित्तीय खर्च निर्धारित किया गया है।

इस योजना के दो प्रमुख घटक हैं, विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए प्रोत्साहन सहायता और व्यापक इकोसिस्टम के विकास के लिए विभिन्न पहलें। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 'केंद्रीय मंत्रिमंडल ने घरेलू कंटेनर विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कंटेनर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना को भी मंजूरी दी है।'

उन्होंने कहा कि 'कंटेनर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना में इस तरह के एलिमेंट्स शामिल हैं, जिससे आने वाले वर्षों में भारत कंटेनर विनिर्माण का एक नया केंद्र बनकर उभरेगा।' इस योजना पर 13 वर्षों में (वित्त वर्ष 2039-40 तक) कुल 10,000 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

कैबिनेट बैठक में अहम फैसले, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और नितिन गडकरी ने गिनाए योजनाओं के फायदे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी है । कैबिनेट में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत में विश्व-स्तरीय प्रतिस्पर्धी कंटेनर निर्माण इकोसिस्टम स्थापित करने के लिए 'कंटेनर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना' (सीएमपीएस) को मंजूरी दी है। इसके लिए वित्त वर्ष 2039-40 तक 10,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। उन्होंने आगे लिखा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित यह योजना, ब्याज पर सब्सिडी, परिचालन व्यय में सहायता, तथा टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन के जरिए नई विनिर्माण इकाइयों और मौजूदा इकाइयों के विस्तार को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य वार्षिक घरेलू विनिर्माण क्षमता को लगभग दस गुना बढ़ाकर 7.5 लाख टीईयू (बीस-फुट समतुल्य इकाई) करना, आयात पर निर्भरता कम करना, समुद्री और लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन को मजबूत करना, और भारत को एक वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

'चार राज्यों में बैलेट पेपर से हुए MLC चुनाव, कांग्रेस कितनी सीटें जीती?' : मोदी

नई दिल्ली.एजेंसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में हुए विधान परिषद चुनावों के नतीजों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। चार राज्यों की कुल 28 सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी। इन चुनावों में मतदान बैलेट पेपर के जरिए कराया गया था। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने लिखा, 'उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक जैसे चार बड़े राज्यों में 28 सीटों पर स्ष्ट चुनाव हुए। चुनाव बैलेट पेपर से हुए। अंदाजा लगाइए, कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं? 'प्रधानमंत्री की इस पोस्ट को कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन पर निशाने के तौर पर देखा जा रहा है। कर्नाटक में विधान परिषद की चारों सीटों पर भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन ने जीत दर्ज की। वहीं, उत्तर प्रदेश में भाजपा को चार और समाजवादी पार्टी को दो सीटें मिलीं। चारों राज्यों के चुनाव परिणामों में कांग्रेस के खाते में एक भी सीट नहीं आने को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान के जरिए इसी नतीजे को रेखांकित किया। इन चुनावों में बैलेट पेपर से मतदान होने का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस के प्रदर्शन पर सवाल उठाया।

भारत-ऑस्ट्रिया रणनीतिक संबंधों में सुरक्षा-रक्षा सहयोग अहम : जयशंकर

नई दिल्ली.एजेंसी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की इस वर्ष अप्रैल में हुई भारत यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा कि वे और उनकी ऑस्ट्रियाई समकक्ष बीट मेनल-रीसिंगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रियाई नेता के बीच हुई बैठक के बाद हुए समझौतों और सहमति की प्रगति की समीक्षा करेंगे। विदेश मंत्री जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में रीसिंगर के साथ हुई बैठक के आरंभिक संबोधन में अतिथि प्रतिनिधिमंडल का हार्दिक स्वागत किया और कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया के बीच सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि अप्रैल में चांसलर का दौरा हुआ था और यह एक बेहद फलदायी दौरा था। मुझे लगता है कि आज हमारे पास उस समय हुए समझौतों और सहमति की प्रगति की समीक्षा करने का अवसर है।

स्पेन में भीषण रेल हादसा : 64 लोगों की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

मैड्रिड.एजेंसी

स्पेन के टोलेडो प्रांत में बुधवार को दो हाई-स्पीड ट्रेनों के बीच टक्कर में कम से कम 46 लोगों की मौत की खबर है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, हादसे में रेनफे एवीई और निजी कंपनी इर्यो की ट्रेन शामिल थीं।

मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय समयानुसार सुबह 8:54 बजे उर्दा रेलवे स्टेशन के पास हुई भीषण टक्कर के बाद आपातकालीन सेवाओं को मौके पर बुलाया गया। कैस्टिला-ला मांचा की 112 आपातकालीन सेवा के अनुसार, हादसे के बाद अल्काजार डी सैन जुआन और ऑर्गाज से दमकलकर्मियों, आसपास की नगरपालिकाओं से नागरिक सुरक्षा दलों और तीन मेडिकल हेलीकॉप्टरों को घटनास्थल पर भेजा गया।

बचावकर्मी जीवित बचे लोगों की तलाश करने और घायलों की मदद करने में जुटे हैं। स्पेन के समाचार माध्यम 'सुर इन इंग्लिश' के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने कम से कम 39 लोगों की मौत की पुष्टि की है। स्पेन के समाचार पत्र 'एल पाइस' की रिपोर्ट के मुताबिक, कैस्टिला-ला मांचा की क्षेत्रीय

हादसे के बाद अल्काजार डी सैन जुआन और ऑर्गाज से दमकलकर्मियों, आसपास की नगरपालिकाओं से नागरिक सुरक्षा दलों और तीन मेडिकल हेलीकॉप्टरों को घटनास्थल पर भेजा गया

सरकार की प्रवक्ता एस्तेर पडिला ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त दोनों ट्रेनों में कुल 544 यात्री सवार थे। इर्यो ट्रेन में 146 यात्री और एक शिशु सवार था, जबकि रेनफे ट्रेन में 397 यात्री थे। स्थानीय सरकार की प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

परिवहन मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि एवीई ट्रेन ने संभवतः इर्यो ट्रेन को पीछे से टक्कर मारी। इसके कारण इर्यो ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरकर तटबंध से नीचे गिर गए। हादसे के बाद बुधवार सुबह 8:54 बजे से मैड्रिड और आंदालुसिया के बीच हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर रेल परिचालन पूरी तरह रोक दिया गया। दुर्घटना से मध्यम दूरी की हाई-स्पीड रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

सीएम ने 51 नवविवाहित बेटियों को सौंपे एक-एक लाख रुपये के चेक और करवाचौथ किट

नई दिल्ली.ओपन सर्च

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को 51 नवविवाहित बेटियों को उनके पहले करवाचौथ के अवसर पर एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक और करवाचौथ किट प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी बेटियों को प्रथम करवाचौथ की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखी, समृद्ध और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना की। उन्होंने बेटियों से आत्मीय संवाद किया और उनके

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी बेटियों को प्रथम करवाचौथ की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखी, समृद्ध और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना की

परिवारों तथा वैवाहिक जीवन के अनुभवों के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने बेटियों को भरोसा दिलाया कि वह हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली की हर बेटी की बड़ी बहन के रूप में मैं उसके साथ खड़ी हूं। किसी भी परेशानी में घबराएं नहीं, अपनी बात खुलकर बताएं। आप अकेली नहीं हैं, आपकी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना जाएगा। उन्होंने बेटियों को आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने, अपनी पहचान बनाने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बेटियों का सुख, सम्मान और आत्मनिर्भरता सर्वोपरि है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि उन्हें हर परिस्थिति में सम्मान, सुरक्षा और सहयोग का एहसास हो। इन सभी बेटियों का विवाह लाडली फाउंडेशन की ओर से इस वर्ष मार्च में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में कराया गया था। सामूहिक विवाह के बाद प्रथम करवाचौथ पर प्रत्येक बेटी को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता और करवाचौथ किट प्रदान की गई। इस पहल का उद्देश्य नवविवाहित बेटियों को आर्थिक संबल देने के साथ उनके जीवन के इस विशेष अवसर को यादगार बनाना है।

मुख्यमंत्री साय ने सूरजपुर जिले को दी 232 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

प्रेमनगर नगर पंचायत के लिए 2.70 करोड़ रुपये के अतिरिक्त विकास कार्यों की घोषणा

ओपन सर्च. संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सूरजपुर जिले को 232 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से प्रेमनगर में आयोजित कार्यक्रम में 24 करोड़ 29 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुए 63 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 208 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत के 54 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रेमनगर नगर पंचायत में 2 करोड़ 70 लाख रुपये के अतिरिक्त विकास कार्यों की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार सरगुजा और बस्तर सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाओं को साकार करने के

माताओं-बहनों के चेहरे की खुशी हमारी योजनाओं की सार्थकता : साय

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश की माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना हमारी सरकार का महत्वपूर्ण संकल्प है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों में प्रतिमाह आर्थिक सहायता पहुँचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास के दौरान जब वे योजना से लाभान्वित माताओं-बहनों से मिलते हैं और उनके चेहरों पर खुशी तथा आत्मविश्वास देखते हैं, तो उन्हें अत्यंत संतोष होता है।

लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है।

हमारा संकल्प है कि विकास की रोशनी प्रदेश के अंतिम गाँव तक पहुँचे और प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। मुख्यमंत्री साय ने प्रेमनगर नगर पंचायत में मंगल भवन के पास डोम निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये, इंडोर स्टेडियम के लिए 50 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 10, 11 एवं 12 से विश्रामगृह तक लगभग दो किलोमीटर बीटी सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। क्षेत्र की आवश्यकताओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा रखी गई माँगों के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज सूरजपुर जिले के लिए खुशी और गौरव का अवसर है। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन जिले की प्रगति को नई गति देगा।

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत पटना में भाजपा की पदयात्रा

ओपन सर्च. संवाददाता

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर साधा निशाना

पटना। बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत पटना में पदयात्रा निकाली। इसमें सीएम सम्राट चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, पटना साहिब के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत कई वरिष्ठ नेता, मंत्री, विधायक और विधान पार्षद शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

पदयात्रा कारगिल चौक से शुरू होकर गांधी मैदान लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा तक पहुंची। सैकड़ों की संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने भाजपा के झंडे और नारों की तख्तियां लेकर विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी की। महिला कार्यकर्ताओं की भी अच्छी भागीदारी रही। समापन स्थल पर नेताओं ने जेपी की प्रतिमा पर

सीएम सम्राट, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, पटना साहिब के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत कई वरिष्ठ नेता, मंत्री, विधायक और विधान पार्षद शामिल हुए

माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश ने आपातकाल का दौर देखा है, जब पत्रकारों को जेल में बंद किया गया था। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता के सवालों का जवाब देना सरकार की जिम्मेदारी है जबकि विपक्ष को भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करना चाहिए। सीएम ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर विपक्ष के सवालों को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ईवीएम और बैलेट पेपर, दोनों पर सवाल उठाता है।

मुख्यमंत्री धामी ने जनपद चमोली की 231.91 करोड़ रुपये की 12 विकास योजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

ओपन सर्च/ओ पी उनियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गैरसैंण (भराड़ीसैंण) में जनपद चमोली की 231.91 करोड़ रुपये की 12 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 197.87 करोड़ रुपये की लागत की 6 योजनाओं का शिलान्यास तथा 34.04 करोड़ रुपये की लागत की 6 योजनाओं का लोकार्पण शामिल है।

ये योजनाएं पेयजल, सड़क संपर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य, भू-धंसाव से सुरक्षा तथा पुलिस अवस्थापना सुविधाओं से संबंधित हैं। मुख्यमंत्री ने जिन छह योजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें सबसे प्रमुख 122.69 करोड़ रुपये की लागत से गैरसैंण शहर एवं आसपास की आबादी को पेयजल आपूर्ति के लिए रामगंगा नदी पर बांध निर्माण की योजना शामिल है। इसके अतिरिक्त 50 करोड़ 18 लाख 68 हजार रुपये की लागत से कर्णप्रयाग विकासखंड के बहुगुणानगर

में भू-धंसाव से सुरक्षा संबंधी कार्यों का शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री ने 12 करोड़ 16 लाख 64 हजार रुपये की लागत से राजकीय पॉलिटेक्निक गैरसैंण के भवन निर्माण तथा 22 लाख 75 हजार रुपये की लागत से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बछुवाबाण में भवन अनुरक्षण कार्य का भी शिलान्यास किया। इसके साथ ही 6 करोड़ 99 लाख 20 हजार रुपये की लागत से कुमोली रैवान मोटर मार्ग के किलोमीटर 2 से फरखण्डे मोटर मार्ग तथा 5 करोड़ 60 लाख 50 हजार रुपये की लागत से गैरसैंण-पज्याणा मोटर मार्ग के किलोमीटर 2 से कुमोली रैवान मोटर मार्ग से संबंधित कार्यों का शिलान्यास किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी की जन्मभूमि गुजरात बनेगी हरियाणा की विकास गाथा की सारथी

कदम सिंह/ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि गुजरात अब हरियाणा की विकास यात्रा की महत्वपूर्ण सारथी बनेगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी के दो दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान न केवल निवेश के अवसरों पर चर्चा हुई, बल्कि दोनों राज्यों के बीच पारस्परिक समावेश और सहयोग को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सूरत और अहमदाबाद दोनों शहरों में प्रवासी हरियाणवासियों से मुलाकात की। इन बैठकों में प्रवासियों ने अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ विभिन्न समस्याओं और अपेक्षाओं को भी साझा किया।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी समुदाय की भावनाओं को समझते हुए कहा कि हरियाणा सरकार उनके हितों की रक्षा और सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। सूरत में मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि

- **प्रवासी हरियाणवासियों के शिकायत निवारण के लिए पोर्टल बनाएगी हरियाणा सरकार, सूरत में मुख्यमंत्री ने की घोषणा**
- **मुख्यमंत्री नायब सैनी के दो दिवसीय गुजरात दौरे में निवेश के साथ-साथ पारस्परिक सहयोग एवं समावेश पर बल**

प्रवासी हरियाणवासियों की शिकायतों के शीघ्र और प्रभावी निवारण के लिए एक समर्पित पोर्टल बनाया जाएगा। इस पोर्टल के माध्यम से प्रवासी अपनी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। यह कदम प्रवासी समुदाय को सरकार से और अधिक जोड़ने वाला साबित होगा। इसके साथ ही, महाराष्ट्र में हरियाणा भवन की तर्ज पर अब गुजरात में भी हरियाणा भवन बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए गए हैं। यह भवन प्रवासी हरियाणवासियों के लिए सांस्कृतिक, सामाजिक और प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा तथा दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक सेतु का काम करेगा।

सीएम नायब सैनी के उद्योगपतियों से संवाद के सकारात्मक परिणाम, प्रदेश में निवेश और रोजगार के नए अवसर होंगे सृजित

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के दो दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान प्रदेश को निवेश के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिली है। गुजरात के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों के साथ हुई बैठकों के सकारात्मक परिणामस्वरूप हरियाणा में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों से संबंधित समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलने के साथ-साथ रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री नायब सैनी बुधवार को गुजरात के गांधीनगर में बिज़नेस लीडर्स और निवेशकों के साथ वन टू वन बैठक कर रहे थे। इस मौके पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी मौजूद रहे। बुधवार को हुए एमओयू में मुख्य रूप से डिफेंस, रियल एस्टेट और ऑयल एंड गैस क्षेत्र में लगभग 25,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। इसके अलावा, एग्रीकल्चर एवं फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में 1,400 करोड़ रुपये और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 2,900 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

कंप्रेस्ड बायोगैस और सिविल एविएशन क्षेत्रों में भी निवेश के लिए एमओयू किए गए हैं। दौरे के पहले दिन भी लगभग 12,000 करोड़ रुपये से संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुजरात प्रवास के दौरान विभिन्न उद्योगपतियों और निवेशकों के साथ वन-टू-वन बैठकें कीं और उन्हें हरियाणा में अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने निवेशकों को राज्य की उद्योग-अनुकूल नीतियों, मजबूत बुनियादी ढांचे, बेहतर कनेक्टिविटी, कुशल मानव संसाधन और अनुकूल कारोबारी वातावरण की जानकारी दी। उन्होंने आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार उद्योगों की स्थापना और निवेश परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सरल प्रक्रियाएं, डिजिटल सुविधाएं तथा नियमानुसार आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'मेक इन इंडिया' अभियान को साकार करने में हरियाणा एक महत्वपूर्ण भागीदार बनेगा।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य हरियाणा को निवेश, उद्योग और विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी बनाते हुए रोजगार के नए अवसर सृजित करना और प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई गति प्रदान करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा और गुजरात, दोनों ही राज्य उद्यमशीलता, विनिर्माण और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं।

दोनों राज्यों के उद्योगपतियों के बीच सहयोग बढ़ने से निवेश, तकनीकी नवाचार, उत्पादन क्षमता और रोजगार सृजन की नई संभावनाएं विकसित होंगी। हरियाणा सरकार का लक्ष्य निवेशकों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर प्रदेश को औद्योगिक विकास और विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में और अधिक सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री ने गुजरात के उद्योगपतियों और निवेशकों को अप्रैल 2027 में हरियाणा में प्रस्तावित 'हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल समिट' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

उन्होंने निवेशकों से प्रदेश की औद्योगिक संभावनाओं का लाभ उठाने और हरियाणा में अपनी व्यावसायिक एवं औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने उद्योगों की स्थापना और विस्तार की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर विशेष जोर दिया है। राज्य में निवेश करने वाले उद्यमियों को सभी आवश्यक अनुमतियां, स्वीकृतियां और अन्य संबंधित सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि उन्हें अलग-अलग विभागों के चक्कर न काटने पड़ें।

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए जर्मनी में रोजगार के अवसर

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के विद्यार्थियों के लिए जर्मनी में रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। जर्मनी की कंपनी कोटिंग कॉन्सेप्ट ने विश्वविद्यालय से लगभग 180 कुशल तकनीशियनों एवं औद्योगिक कोटिंग विशेषज्ञों की भर्ती करने की इच्छा व्यक्त की है। इस संबंध में जर्मनी के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय का दौरा किया और कौशल प्रशिक्षण सुविधाओं का निरीक्षण किया।

भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2027 में शुरू होगी तथा चयनित अभ्यर्थियों को जर्मनी जाने से पहले ए2 स्तर का जर्मन भाषा प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में कोटिंग कॉन्सेप्टस की प्रबंध निदेशक जनीना राडो विक, लॉजिस्टिक्स एवं वर्क प्रिपरेशन विभाग के प्रमुख एंड्रियास फालर, प्रोडक्शन मैनेजर डेविड फ्रैंक तथा प्रोडक्शन मैनेजर सर्जियस स्टीनमार्क शामिल रहे। इस दौरे का समन्वय इंटरनेशनल टैलेंट सॉल्यूशंस के सीईओ अल्बर्ट बाकर, और इंडो यूरो सिंक्रोनाइजेशन ग्रुप के अध्यक्ष राज वंगापांडु तथा निदेशक राजीव गुलाटी ने किया। विश्वविद्यालय में आयोजित बैठक का समन्वय डीन, इंस्टीट्यूशंस प्रो. मुनीष वशिष्ठ तथा प्रिंसिपल, कम्युनिटी कॉलेज ऑफ स्किल डेवलपमेंट प्रो. संजीव गोयल ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. नरेश चौहान ने की। बोर्ड रूम में आयोजित औपचारिक सत्र का शुभारंभ फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. राजेश आहूजा के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने विश्वविद्यालय की गौरवशाली विरासत और जर्मनी के संस्थानों के साथ इसके ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विकास यात्रा और प्रमुख उपलब्धियों पर आधारित एक डाक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गयी।

बाल महोत्सव-2026 में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, नगराधीश सिमरन ने बढ़ाया उत्साह

ओपन सर्च ब्यूरो

सोनीपत। जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा बाल महोत्सव-2026 के अंतर्गत बाल भवन में जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगराधीश सिमरन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण अधिकारी आरती भी उपस्थित रहीं।

नगराधीश सिमरन ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेना भी बेहद आवश्यक है। ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने, अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने बच्चों को पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने तथा निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है। आवश्यकता इस बात की है कि उसे उचित अवसर और सकारात्मक वातावरण मिले। बाल महोत्सव जैसे आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ नई चीजें सीखने और अपनी कला को बेहतर बनाने का अवसर देते हैं। नगराधीश ने कहा कि बाल महोत्सव बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को पहचानने, उनकी रचनात्मक क्षमता को निखारने और उन्हें अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए बेहतर मंच प्रदान करता है।

इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को अपनी रुचि और कौशल के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। साथ ही, उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होती है। जिला बाल कल्याण अधिकारी आरती बल्हारा ने कहा कि जिला बाल कल्याण परिषद का उद्देश्य बच्चों को सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाना, उनकी प्रतिभा को उचित दिशा देना और उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना है।

लीगल लिटरेसी प्रोग्राम में राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय, खेवड़ा ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

ओपन सर्च ब्यूरो

सोनीपत। राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय, खेवड़ा के विद्यार्थियों ने लीगल लिटरेसी प्रोग्राम में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। एसएम हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोनीपत में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सात विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और छह प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा, मेहनत तथा कानूनी जागरूकता का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं में विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाषण, काव्य पाठन, डिबेट और क्विज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं, पीपीटी और डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिताओं में तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। लीगल लिटरेसी प्रोग्राम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून, उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा उनमें तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति, कानूनी ज्ञान और रचनात्मकता के माध्यम से इन उद्देश्यों को सार्थक किया। विद्यालय के प्राचार्य नरेश चंद्र ने विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है।

अमित शाह के करनाल दौरे को लेकर भाजपा की तैयारियां तेज, रूपरेखा पर मंथन

गीता देवी/ओपन सर्च ब्यूरो

करनाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के 5 नवंबर को करनाल आगमन के मद्देनजर भाजपा ने प्रस्तावित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा की तैयारियों को लेकर गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भाजपा कार्यालय कर्ण कमल में आयोजित बैठक में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने सक्रिय सहभागिता की। बैठक में पदयात्रा की रूपरेखा, आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर और जिला प्रभारी जवाहर यादव के साथ तैयारियों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। आयोजन के दौरान बेहतर समन्वय, व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को लेकर विचार साझा किए गए। महापौर ने संगठनात्मक एकजुटता को कार्यक्रम की सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए सभी कार्यकर्ताओं से सामूहिक प्रयासों के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाने का आह्वान किया।

एकजुटता और समन्वय पर जोर देते हुए महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं की एकजुटता, समर्पण और सक्रिय सहभागिता में निहित है। किसी भी बड़े कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुनियोजित तैयारियों के साथ सभी स्तरों पर बेहतर तालमेल जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों और जिम्मेदारियों के प्रभावी निर्वहन से आयोजन को व्यवस्थित एवं सफल बनाया जा सकता है। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने भी बैठक में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका और संगठनात्मक समन्वय को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी कार्यकर्ताओं को आपसी तालमेल के साथ तैयारियों में जुटना चाहिए, ताकि निर्धारित व्यवस्थाओं को समय पर पूरा किया जा सके। जिला प्रभारी जवाहर यादव सहित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में 5 नवंबर को प्रस्तावित पदयात्रा के आयोजन को लेकर तैयारियों पर चर्चा करते हुए इसे सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

नवंबर माह में होगा बागवानी के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के बागवानी विभाग के अंतर्गत उद्यान प्रशिक्षण संस्थान, उचानी (करनाल) द्वारा नवंबर माह में विभिन्न विषयों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ताकि वे वैज्ञानिक तरीकों से खेती कर अपनी आय बढ़ा सकें।

राज्य के सभी जिलों के इच्छुक प्रशिक्षार्थी उद्यान विभाग की वेबसाइट http:// kaushal. hortharyana.gov.in/ के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उद्यान विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रार्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी अनिवार्य है तथा प्रशिक्षियों का चयन 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंजीकृत प्रशिक्षार्थियों को अपने साथ आधार कार्ड, बैंक पास बुक और पैन कार्ड जैसे जरूरी दस्तावेज लेकर आने होंगे। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षार्थियों के ठहरने व खाने की व्यवस्था पूरी तरह निशुल्क रहेगी तथा उन्हें बस किराया डीबीटी के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि जो प्रशिक्षार्थी पूर्व में इन विषयों पर प्रशिक्षण ले चुके हैं, वे पुनः उन्हीं विषयों पर अपना पंजीकरण न करवाएं। प्रवक्ता ने नवंबर माह में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आगे जानकारी देते हुए कहा कि 2 से 6 नवंबर 2026 तक 'फल व सब्जियों में प्रसंस्करण परिरक्षण एवं मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम' (अवधि 5 दिन, सीटों की संख्या 40) और 'नर्सरी मैनेजमेंट एज पर एचएचएन रूल्स -2026' (अवधि 5 दिन, सीटों की संख्या 20) का आयोजन होगा, जिसके लिए पंजीकरण 27 अक्टूबर 2026 सुबह 10:00 बजे से 1 नवंबर 2026 सांय 5:00 बजे तक किया जा सकता है।

शिकायतकर्ता की बात सुनना हमारा दायित्व, जनता को मिलेगा न्याय : श्याम सिंह राणा

गीता देवी/ओपन सर्च ब्यूरो

करनाल। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि आमजन की शिकायते सुनना हमारा दायित्व है और शिकायत का निवारण करना प्राथमिकता है। कानून के दायरे में जनता को न्याय दिलवाया जाएगा और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिकारी लोगों की बात संवेदना के साथ सुनें और उनकी समस्याओं को हल करें।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा बुधवार को पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मंत्री ने बैठक में 12 परिवादों में से 9 का मौके पर ही समाधान कर दिया तथा शेष 3 परिवादों की पुनः जांच उच्च अधिकारियों को सौंपी ताकि शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जा सके। बैठक में अंकित पुत्र कृष्ण लाल, निवासी गांव बस्ताडा की शिकायत खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, कुन्जपुरा कार्यालय से संबंधित थी। शिकायत में बताया कि गांव कुन्जपुरा में करवाए गए 27 विकास कार्यों की 42,50,000/- रुपये की बकाया पेमेंट नहीं मिली है तथा पूर्व सरपंच सविता रानी, वर्तमान सरपंच सुमनलता व ग्राम सचिव जितेन्द्र कुमार पर फर्जी बिलों से गबन का आरोप लगाया गया है। इस मामले की जांच एडीसी करनाल द्वारा की जा रही है। जांच पूरी न होने की वजह से मंत्री ने इस मामले को अगली बैठक के लिए लंबित रखने की निर्देश दिए। इसी प्रकार से सुशील कुमार पुत्र बनारसी दास, निवासी गांव झिंवरहेडी तहसील घरौण्डा का मामला पुलिस विभाग से संबंधित है।

शिकायत में प्रार्थी ने बताया कि उनके बेटे अक्षय को अमेरिका भेजने के नाम पर आरोपी विरेन्द्र द्वारा 22,50,000/- रुपये हड़पने, दुबई/सर्बिया/ग्रीस के रास्ते अवैध रूप से भेजने, बंधक बनाकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी दी गई है। जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया कि न्यायालय में विचाराधीन है। लेकिन मंत्री ने बैठक में उपस्थित दोनों पक्षों की बात सुनी और पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए कि दोनों व्यक्तियों की बात को अपने कार्यालय में बुलाकर सुने और इनका समाधान करवाएं। मंत्री ने इस मामले को अगली बैठक के लिए लंबित रखने की निर्देश दिए। बैठक में सुरेन्द्र राणा पुत्र सूरत सिंह, निवासी गांव गोंदर की शिकायत वन विभाग से संबंधित थी।

प्रार्थी ने शिकायत में बताया कि गांव गोन्दर में नरदक नहर के साथ लगती वन विभाग की जमीन पर आजाद पब्लिक स्कूल के संचालक रणसिंह पुत्र रघबीर द्वारा बिना विभागीय अनुमति पेड़ काटकर, मिट्टी भरत करके और स्कूल का गेट खोलकर नाजायज कब्जा किया हुआ है।

बेरोजगार युवाओं के लिए 1 नवंबर से शुरू होंगे बेरोजगारी भत्ते के आवेदन

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को आर्थिक संबल देने के लिए सामान्य बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत वर्ष 2026-27 के आवेदन 1 नवंबर से लेने जा रही है। पात्र युवा 30 नवंबर 2026 तक इंटरनेट के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। निर्धारित तिथि के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि योजना के तहत बारहवीं उत्तीर्ण, दो वर्ष का प्रमाण पत्र अथवा डिप्लोमा धारक युवाओं को 1,200 रुपये प्रतिमाह तथा स्नातक या उससे उच्च शिक्षा प्राप्त अथवा तीन वर्ष का डिप्लोमा धारक युवाओं को 2,000 रुपये प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। पात्रता की शर्तों के बारे में उन्होंने बताया कि आवेदक का हरियाणा का मूल निवासी होना और 1 नवंबर 2026 तक राज्य के किसी भी रोजगार कार्यालय में कम से कम लगातार तीन वर्ष से पंजीकृत होना अनिवार्य है। आवेदक की आयु 21 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। वह किसी संस्थान में विद्यार्थी या प्रशिक्षु नहीं होना चाहिए, न ही स्वयं नियोजित हो और न ही सक्षम युवा योजना का लाभार्थी हो। इसके अलावा आवेदक के परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 3 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। परिवार के पास 10 लाख रुपये से अधिक मूल्य की रिहायशी या वाणिज्यिक संपत्ति अथवा 2 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि भी नहीं होनी चाहिए। इच्छुक युवा विभागीय वेबसाइट द्धह्हद्ग×.द्दश1.द्बठ्ठ पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के समय परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, आधार से जुड़ी बैंक पासबुक, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राजस्व अधिकारी द्वारा सत्यापित संपत्ति संबंधी शपथ पत्र तथा स्व-घोषणा पत्र संलग्न करना आवश्यक है।

अतिथि अध्यापकों के भविष्य को लेकर स्पष्ट नीति बनाए हरियाणा सरकार : कुमारी सैलजा

ओपन सर्च ब्यूरो

- 21 वर्षों से सेवाएं दे रहे करीब 12 हजार अतिथि अध्यापकों की नियमितीकरण की मांग पर गंभीरता से विचार करे सरकार
- सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद भरने और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की उठाई मांग

सिरसा। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य कुमारी सैलजा ने हरियाणा में लंबे समय से कार्यरत अतिथि अध्यापकों के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की है। सांसद ने कहा कि प्रदेश के करीब 12 हजार अतिथि अध्यापक पिछले लगभग 21 वर्षों से सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनकी नियमितीकरण संबंधी मांग का अब तक समाधान नहीं हो पाया है। सरकार को उनके अनुभव, योगदान और भविष्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए न्यायसंगत नीति बनानी चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि अतिथि अध्यापकों ने विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी के बावजूद शिक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इतने लंबे सेवाकाल के बाद उनकी मांगों पर संवेदनशीलता से विचार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लगभग 29,866 पद रिक्त बताए जा रहे हैं। अनेक विद्यालय सीमित शिक्षकीय स्टाफ के सहारे संचालित हो रहे हैं। सरकार को रिक्त पदों की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक कर नियमित भर्ती प्रक्रिया तेज करनी चाहिए। सांसद ने उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं के अभाव पर भी चिंता जताई। सैलजा ने कहा कि विभिन्न विभागों में कार्यरत अनुबंधित कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा और नियमितीकरण से जुड़े मामलों का भी कानूनी प्रावधानों के अनुरूप समाधान निकाला जाना चाहिए। सांसद ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से अतिथि अध्यापकों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर व्यावहारिक समाधान निकालने का आग्रह किया।

आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का उद्घाटन 5 नवंबर को अमित शाह करेंगे : अनिल विज

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी 5 नवंबर को अम्बाला छावनी में निर्मित शहीद स्मारक का उद्घाटन करने के लिए आ रहे हैं। पहले स्मारक का उद्घाटन होगा और बाद में गांधी ग्राउंड में कार्यकर्ताओं की बड़ी रैली होगी। उन्होंने कहा इस रैली में पहुंचना लोगों के लिए बड़ी बात है क्योंकि हम किसी शहीदी स्मारक के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे हैं।

पांच नवंबर को उद्घाटन के बाद छह नवंबर से जनता के लिए शहीद स्मारक खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह भी आदेश दिए हैं कि हरियाणा के विभिन्न स्कूलों व शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को यह शहीद स्मारक दिखाया जाएगा ताकि युवाओं को पता चल सके कि 1857 में मेरठ से पहले अम्बाला में स्वतंत्रता संग्राम शुरू हुआ था। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि 5 नवंबर को अम्बाला छावनी गांधी ग्राउंड में आयोजित रैली में वह अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे क्योंकि यहां राष्ट्रीय स्तर के स्मारक का उद्घाटन समारोह है।

स्मारक में कमल के फूल आकार का मेमोरियल टॉवर आकर्षण का केंद्र होगा : विज

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि एक बार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्?डा के पुत्र ने प्रश्नचिन्ह लगाया कि अनिल विज अपनी पार्टी के चुनाव निशान बना दिया, ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि बेशक कमल का फूल हमारा चुनाव निशान है मगर कमल का फूल और रोटी सांकेतिक तौर पर 1857 की लड़ाई में एक रेजीमेंट से दूसरी रेजीमेंट तक भेजी जाती थी और रोटी स्वीकार कर लेते थे तो माना जाता था कि वो रेजीमेंट भी तैयार है। सारे देश में रोटी और कमल का फूल भेजा जाता था। उन्होंने जब जवाब दिया कि देपेंद्र हुड्डा इतिहास पढ़ लें तो उन्हें समझ आई और फिर देपेंद्र हुड्डा नहीं बोले।

विज अम्बाला शहर के अम्बाला क्लब में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता जी की अध्यक्षता में 5 नवंबर को आयोजित शहीद स्मारक के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता जी का स्वागत करते हुए कहा कि डा. अर्चना गुप्ता जी ने पदभार संभालने के थोड़े समय में ही बिजली जैसा जोश कार्यकर्ताओं में भर दिया है और वह अपने अनुभव के आधार पर कह सकते हैं कि अर्चना गुप्ता जी की रहनुमाई में भाजपा बहुत तरक्की करेगी और हमारी सरकार लोगों की उम्मीदों पर सौ प्रतिशत पूरा उतरेगी। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि शहीद स्मारक निर्माण को लेकर वह पिछले 25-30 वर्षों से प्रयास करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा किताबों में यही पढ़ाया गया कि आजादी की लड़ाई कांग्रेस ने लड़ी मगर जब उन्होंने और किताबें पढ़ी तो पाया कि कांग्रेस के जन्म से भी पहले 1857 में एक आजादी की लड़ाई सशस्त्र पूरे हिंदुस्तान में लड़ी गई जिसकी शुरूआत अम्बाला से हुई।

उन्होंने कहा कि ऐसे दस्तावेज मिले हैं जिससे पता चलता है कि 1857 में मेरठ से दस घंटे पहले नौ बजे अम्बाला छावनी में 60वीं और 5वीं नेटिव इंफेंटरी ने आजादी की लड़ाई का बिगुल बजा दिया था।

वैज्ञानिक समुदाय, शोधकर्ताओं और युवा नवप्रवर्तकों से ठोस, मापनीय और विस्तार योग्य तकनीकी परिणाम देने का आह्वान किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन 2026 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली.ओपन सर्च

उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2026 के उद्घाटन दिवस पर 27 अक्टूबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 5,000 से अधिक वैश्विक प्रतिनिधि एकत्रित हुए, जिनमें वैज्ञानिक दिग्गज, नीति निर्माता और डीप-टेक स्टार्टअप शामिल थे। दिन के कार्यक्रम में राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ के संबोधन, दो नोबेल पुरस्कार विजेताओं के पूर्ण सत्र, तीन समानांतर तकनीकी सत्र, एक स्टार्टअप प्रदर्शनी और पोस्टर ट्रैक, शाम की एक पैनल चर्चा और उद्घाटन सत्र शामिल थे।

इन सभी गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य मूलभूत शोध को औद्योगिक विस्तार, जनहित और ऐसी प्रौद्योगिकियों के विकास से जोड़ना था जो भारत की क्षमताओं को मजबूत कर सकें और वैश्विक कल्याण में योगदान दे सकें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने उद्घाटन भाषण में वैज्ञानिक समुदाय, शोधकर्ताओं और युवा नवप्रवर्तकों से तीन साल की परिचालन अवधि के भीतर ठोस, मापने योग्य और व्यापक तकनीकी परिणाम देने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखकर वास्तविक दुनिया की समस्याओं का समाधान करना चाहिए, आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के तहत राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करना चाहिए और मानव कल्याण को बढ़ावा देना चाहिए। भाषण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकी, उन्नत सामग्री और जैव प्रौद्योगिकी सहित अग्रणी क्षेत्रों में वैश्विक मानक स्थापित करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दोहराया गया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की भूमिका में आए बदलाव का वर्णन किया।

उन्होंने बताया कि भारत अब प्रौद्योगिकियों का उपभोक्ता होने से आगे बढ़कर अत्याधुनिक वैज्ञानिक समाधानों का भविष्य के लिए तैयार वैश्विक सह-निर्माता बन गया है। उन्होंने देश के स्टार्टअप क्षेत्र के विस्तार का उल्लेख किया, जो 2014 में लगभग 400 स्टार्टअप से बढ़कर आज 2.3 लाख से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि तकनीकी उद्यमिता के व्यापक प्रसार के प्रमाण के रूप में इन स्टार्टअप्स में से अनुमानित 50 से 60 प्रतिशत स्टार्टअप्स श्रेणी-2 और श्रेणी-3 शहरों में स्थित हैं। डॉ. सिंह ने भारत की आनुवंशिक और फीनोटाइपिक विविधता को जैव प्रौद्योगिकी के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बताया और जीन संश्लेषण, सिस्टम बायोलॉजी और परमाणु चिकित्सा में घरेलू क्षमताओं को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने इन क्षेत्रों में काम को गति देने के संदर्भ में शांति अधिनियम सहित हाल के विधायी सुधारों का उल्लेख किया।

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय के. सूद ने मूलभूत वैज्ञानिक शोध, औद्योगिक विस्तार और नियामक नीति के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ईएसटीआईसी के 12 प्रमुख विषयगत प्राथमिकता क्षेत्रों का वर्णन किया और क्वांटम संचार, जनरेटिव और स्वायत्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर निर्माण, उन्नत विनिर्माण और डीप ओशन मिशन जैसे क्षेत्रों की पहचान की।

जनता और राष्ट्र की सेवा करना ही सुशासन का मूल आधार है, पीएम नरेंद्र मोदी ने साझा किया सुभाषित

नई दिल्ली (एजेंसी)

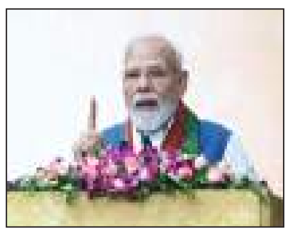

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक सुभाषित शेयर किया है, जिसमें जनता और राष्ट्र की सेवा से संबंधित संदेश दिया गया है। पीएम मोदी की ओर से संस्कृत श्लोक, 'पालयन् प्रकृतिं राजा सुखी भवति नान्यथा। प्रकृतिश्च हिता यस्य स राजा सर्वकामधुक॥' शेयर किया गया है, जिसका हिंदी भावार्थ है कि जनता और राष्ट्र की सेवा करना ही सुशासन का मूल आधार है।

जो नेतृत्व निःस्वार्थ भाव से जन-कल्याण और लोक हित में समर्पित रहता है, वही राष्ट्र में समृद्धि, शांति और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रधानमंत्री की ओर से साझा किया गया यह प्रसिद्ध संस्कृत श्लोक 'कामंदकीय नीतिसार' (या कामंदक नीतिसार) नामक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ से लिया गया है। इस ग्रंथ को आचार्य कामंदक ने रचा है। उन्होंने इस ग्रंथ में राज्य, राजा के कर्तव्य (राजधर्म), और शासन व्यवस्था के सिद्धांतों के बारे में बताया है। इस श्लोक के माध्यम से कहा गया है कि एक राजा या शासक तभी सच्चा सुख और समृद्धि प्राप्त कर सकता है, जब वह अपनी प्रजा (जनता) का उचित पालन-पोषण करे और उसकी रक्षा करे। प्रजा की अनदेखी या उसका शोषण करके कोई भी शासक सुखी नहीं रह सकता। इस श्लोक के माध्यम से कहा गया है कि जिस राजा से उसकी प्रजा प्रेम करती है और जिसके राज्य में प्रकृति (पर्यावरण) संतुलित एवं हितकारी होती है, वह राजा सभी प्रकार की सिद्धियां और ऐश्वर्य प्राप्त करता है। ऐसा राजा 'सर्वकामधुक' अर्थात अपनी प्रजा की सभी आकांक्षाओं को पूर्ण करने में समर्थ होता है और उसका राज्य कामधेनु के समान फलदायी बन जाता है।

चक्रवात 'अर्नब' के चलते कई उड़ानें रद्द, सरकार ने एयरलाइंस को जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)

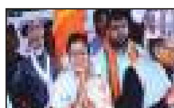

भीषण चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के तट से टकराने के बाद नागर विमानन मंत्रालय ने एयरलाइंस और हवाईअड्डा संचालकों को यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि सभी एयरलाइंस खराब मौसम से जुड़े परिचालन दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें, उड़ानों में देरी या रद्द होने की स्थिति में यात्रियों को समय पर जानकारी दें तथा री-बुकिंग और रिफंड से जुड़े नियमों का पालन करें।

स्थिति का आकलन करने और विमानन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय ने एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक भी आयोजित की। मंत्रालय के अनुसार, चक्रवात का सबसे अधिक असर तटीय आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा, विशेष रूप से भुवनेश्वर से आने-जाने वाली उड़ानों पर पड़ने की आशंका है। वहीं तूफान की दिशा के आधार पर हैदराबाद, वाराणसी, प्रयागराज और गोरखपुर में भी उड़ानों के संचालन पर परोक्ष प्रभाव पड़ सकता है। मंत्रालय ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए), नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी), एयरलाइंस, एयरपोर्ट ऑपरेटरों, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) तथा आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल की आपदा प्रबंधन एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत किया गया है। चक्रवात के प्रभाव के चलते विशाखापट्टनम हवाईअड्डे पर 27 अक्टूबर की दोपहर से उड़ान संचालन निलंबित कर दिया गया था। विजयवाड़ा और राजमुंदरी हवाईअड्डों पर भी 27 अक्टूबर शाम 7 बजे के बाद सभी उड़ानें रोक दी गईं।

वहीं दिल्ली-भोगापुरम-दिल्ली सेवा को 28 अक्टूबर के लिए रद्द कर दिया गया है। एयर इंडिया ने दिल्ली-विशाखापट्टनम-दिल्ली (27 अक्टूबर) और दिल्ली-विजयवाड़ा-दिल्ली (28 अक्टूबर) सेक्टरों की कुल छह उड़ानें रद्द की हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 13 उड़ानें रद्द की हैं, जिनमें विशाखापट्टनम से हैदराबाद, बेंगलुरु और विजयवाड़ा के बीच संचालित अधिकांश उड़ानें शामिल हैं। इसके अलावा वाराणसी-बैंकॉक और बैंकॉक-विशाखापट्टनम सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। इंडिगो ने विशाखापट्टनम के लिए अपनी सभी उड़ानें निलंबित कर दी हैं, जबकि विजयवाड़ा और राजमुंदरी में भी 27 अक्टूबर शाम के बाद संचालन रोक दिया गया।

पीयूष गोयल ने लिकटेंस्टीन के प्रिंस एलोइस से की मुलाकात, भारत-ईएफटीए साझेदारी को मिलेगी नई मजबूती

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को भारत दौरे पर आए लिकटेंस्टीन के युवराज (हेरिडिटरी प्रिंस) एलोइस से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। बातचीत में विशेष रूप से भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच लागू व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के तहत सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए गोयल ने कहा कि उन्होंने युवराज एलोइस के साथ शिष्टाचार भेंट की और भारत में निवेश तथा व्यापार के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने इस दौरान भारत में कारोबारी माहौल को अधिक निवेशक-अनुकूल बनाने के लिए किए जा रहे सुधारों और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को मजबूत करने के प्रयासों को भी रेखांकित किया। गोयल ने कहा कि भारत-ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते के तहत 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता दोनों पक्षों की गहरी आर्थिक भागीदारी की साझा महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। उनका मानना है कि यह निवेश न केवल आर्थिक वृद्धि को गति देगा, बल्कि दोनों क्षेत्रों के उद्योगों और कारोबारों के लिए बड़े अवसर भी पैदा करेगा। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी मंगलवार को लिकटेंस्टीन के युवराज एलोइस और हेरिडिटरी प्रिंसेस सोफी के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्नत इंजीनियरिंग, अवसंरचना और नवाचार जैसे क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा की गई।

पाक सोशल मीडिया ने भारतीय सैनिकों और सेना प्रमुख के बारे में फैलाई झूठी अफवाह

नई दिल्ली (एजेंसी)

पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडल्स ने एक बार फिर भारतीय सेना व सेना प्रमुख के बारे में अफवाहें फैलाने की साजिश की है। पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडल्स ने अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों के अपमान और सेना प्रमुख के नाइटक्लब में डांस का दावा किया। इसको लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री फैलाने का मामला सामने आया है। फैक्ट चैक में ये दावे पूरी तरीके से गलत व निराधार पाए गए हैं। दरअसल इस फर्जी सोशल मीडिया सामग्री के जरिए भारतीय सेना की छवि खराब करने की कोशिश की गई है। भारतीय सेना की फैक्ट चेक यूनिट के अनुसार, कई पाकिस्तानी सोशल मीडिया खातों से ऐसे दावे किए गए कि अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों को अपमान का सामना करना पड़ रहा है जबकि सेना प्रमुख नाइट क्लब में डांस करते दिखाई दे रहे हैं। इस भ्रामक प्रचार में वीडियो के मूल स्वरूप को धुंधले दृश्यों और एआई की मदद से संपादित सामग्री के जरिए बदलकर पेश किया गया। साथ ही, सेना प्रमुख की तस्वीर को वीडियो पर इस तरह लगाया गया है कि उसके साथ दिया गया भ्रामक संदेश दर्शकों को गुमराह कर सके।

इस तरीके का उद्देश्य भारतीय सेना के खिलाफ नकारात्मक धारणा बनाना है। ऐसे 10 सोशल मीडिया खातों की पहचान की गई है। जानकारी के अनुसार, 28 अक्टूबर 2026 को रात 12 बजकर 40 मिनट से सुबह 8 बजे के बीच एक जैसी सामग्री प्रसारित करने वाले 10 सोशल मीडिया खातों की पहचान की गई है। इन्हें भ्रामक प्रचार के लिए अपनाया गया। इस मामले में धुंधले वीडियो, तस्वीरों को गलत संदर्भ में जोड़ने और सीमा से जुड़े दावों का इस्तेमाल करके एक भ्रामक कहानी तैयार की गई। ऐसी सामग्री देखने वाले लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की गई कि भारतीय सेना के जवानों की स्थिति खराब है और सेना का नेतृत्व इसके प्रति गंभीर नहीं है। हालांकि यह पूरी तरह झूठ पर आधारित था। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के दावों के जरिए सेना के प्रति लोगों के भरोसे को प्रभावित करने और उसके खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश की जा सकती है। सेना का कहना है कि इसलिए सोशल मीडिया पर किसी भी वीडियो या तस्वीर को साझा करने से पहले उसकी वास्तविकता की जांच करना जरूरी है। संबंधित जानकारी में लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी सामग्री पर भरोसा करने या उसे आगे साझा करने से पहले मूल वीडियो और विश्वसनीय साक्ष्यों की पुष्टि करें।

नई दिल्ली : पुलिस ने 23 वर्षीय चोर को गिरफ्तार किया, चार बाइक बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली पुलिस के शाहदरा जिले के एंटी-ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने एक 23 वर्षीय ऑटो-लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। जिस पर कई टू-व्हीलर चोरी और स्नैचिंग के मामलों में शामिल होने का आरोप है। अधिकारियों की ओर से बुधवार को जानकारी दी गई कि पुलिस ने चार चोरी की गाड़ियां भी बरामद कीं और शाहदरा, सेंट्रल और साउथ जिलों में मोटर वाहन चोरी के चार मामले सुलझाए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान रितेश उर्फ पीयूष टिंकू के तौर पर हुई है, जो दिल्ली के पहाड़गंज का रहने वाला है। उसे 24 अक्टूबर को दिलशाद गार्डन-गाजियाबाद डीएलएफ कैरिजवे पर एक पेट्रोल पंप के पास से पकड़ा गया। गिरफ्तारी के वक्त आरोपी के पास कथित तौर पर एक मोटरसाइकिल मिली थी। पुलिस वेरिफिकेशन से पता चला कि 18 सितंबर को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के पटेल नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक ई-एफआईआर में मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दी गई थी। शाहदरा डिस्ट्रिक्ट में हाल ही में हुई टू-व्हीलर चोरी की रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने यह ऑपरेशन शुरू किया। इन अपराधों में शामिल लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए एक खास एएटीएस टीम बनाई गई थी। टीम ने सीसीटीवी फुटेज को एनालाइज़ किया, फील्ड में पूछताछ की, लोकल इंटेलिजेंस डेवलप की और संदिग्ध ऑटो-लिफ्टरों को ट्रैक करने के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों को तैनात किया।

पूछताछ के दौरान, रितेश ने गाड़ी चोरी के दूसरे मामलों में भी अपनी संलिप्तता का खुलासा किया। उससे मिली जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन और चोरी की बाइक बरामद कीं, जिससे कुल बरामदगी चार हो गई। बरामद की गई गाड़ियों में एक सफेद स्कूटर, एक काली मोटरसाइकिल और एक नीला स्कूटर के अलावा एक और मोटरसाइकिल शामिल है।

सीटीआई ने राहुल गांधी को लिखा पत्र, 20 बाजारों के व्यापारियों ने मिलने के लिए मांगा समय

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली में व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को एक खुला पत्र लिखकर नई और लोकतांत्रिक पेशकश की है। बृजेश गोयल ने पत्र में कहा है कि रामलीला मैदान के नजदीक के 20 बड़े होलसेल बाजारों के 20 व्यापारी प्रतिनिधि राहुल गांधी से सिर्फ 20 मिनट का मिलने का समय चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'अगर 20 मिनट की मुलाकात में राहुल गांधी हमें यह समझा देते हैं कि 1 नवंबर को रामलीला मैदान में 10 लाख लोगों की महारैली होने से दिल्ली के व्यापारियों का व्यापार बढ़ेगा, ग्राहक बढ़ेंगे, तो सीटीआई उसी क्षण अपना विरोध वापस ले लेगा और रैली का स्वागत करेगा।अगर 20 मिनट में हम 20 व्यापारी आपको यह समझा देते हैं कि इस रैली से रामलीला मैदान से जुड़े 20 बड़े बाजारों में व्यापार का नुकसान होगा, तो आपको जनहित में इस रैली को दिवाली तक टालना पड़ेगा। बृजेश गोयल ने कहा, हम लड़ाई नहीं, बातचीत चाहते हैं। राहुल गांधी खुद कहते हैं कि मैं सबकी सुनता हूं, छोटे व्यापारियों की आवाज सुनता हूं, तो हम 20 बाजारों के व्यापारी उनसे 20 मिनट मांग रहे हैं। ये लोकतंत्र की खूबसूरती होगी। संगठन ने अपने पत्र में राहुल गांधी के 'प्यार और सद्भाव' को बढ़ावा देने वाले संदेश का भी जिक्र किया।

सीटीआई ने पत्र में लिखा, 'राहुल गांधी, आप नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलते हैं, हम आपका सम्मान करते हैं लेकिन दिवाली के बाजार में मोहब्बत की दुकान बंद मत करवाइए। आपकी मोहब्बत की दुकान का असली चेहरा हम व्यापारी ही हैं। उम्मीद है कि आप हमें 1 नवंबर की रैली को लेकर चर्चा करने के लिए 20 मिनट का समय प्रदान करेंगे। रामलीला मैदान से जुड़े 20 बड़े होलसेल बाजार, जिनके 20 प्रतिनिधि राहुल गांधी से मिलना चाहते हैं। ये बाजार रामलीला मैदान से एक से पांच किलोमीटर के दायरे में आते हैं और रैली के दिन यहां कामकाज में बाधा आ सकती है। इन बाजारों में चांदनी चौक, भागीरथ पैलेस, खारी बावली, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, कश्मीरी गेट, नबी करीम, करोल बाग, अजमेरी गेट, दरियागंज, नई सड़क, किनारी बाजार, दरीबा कलां, फतेहपुरी, नया बाजार, फिल्मिस्तान, पहाड़गंज, गफ्फार मार्केट, जामा मस्जिद-मीना बाजार और लाजपत राय मार्केट शामिल हैं।

दिल्ली में ग्रैप-1 के बीच फर्जी नो-एंट्री परमिट पर 3 कमर्शियल वाहनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली में ग्रैप-1 लागू होने के बाद बॉर्डर इलाकों में चलाए गए विशेष अभियान में फर्जी नो-एंट्री परमिशन (एनईपी) का मामला सामने आया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की नॉर्दर्न रेंज की टीम ने 3 कमर्शियल वाहनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई डीसीपी ट्रैफिक, नॉर्दर्न रेंज, डॉ. सचिन कुमार सिंघल, आईपीएस के निर्देश पर की गई। 27 अक्टूबर को नॉर्दर्न रेंज के बॉर्डर क्षेत्रों में कमर्शियल वाहनों की जांच के लिए स्पेशल ड्राइव चलाई गई थी। जांच के दौरान तीन कमर्शियल वाहन ऐसे मिले, जो फर्जी एनईपी का इस्तेमाल कर रहे थे। इसके बाद संबंधित लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(2)/340(2) के तहत संबंधित थानों में तीन एफआईआर दर्ज की गई। वाहनों को संबंधित लोगों समेत आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए लोकल पुलिस को सौंप दिया गया। वाहन नंबर डीएल1एलएसी3219, एनईपी नंबर 221120255308406। ड्राइवर का नाम विक्रम (38) है। इस मामले में थाना अलीपुर में बीएनएस की धारा 318(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। दूसरे मामले में वाहन नंबर डीएल1एलएक्यू4160, एनईपी नंबर 10112025S295772 है। ड्राइवर/मालिक का नाम संतोष है। थाना अलीपुर में बीएनएस की धारा 318(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। तीसरे मामले में वाहन नंबर डीएल1एलएजी4982, एनईपी नंबर 19012023स165940 है।

ड्राइवर गौरव कुमार है। इस मामले में थाना समयपुर बादली में बीएनएस की धारा 318(2) /340(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि ग्रैप-1 लागू होने के बाद दिल्ली-एनसीआर में कमर्शियल वाहनों के प्रवेश पर सख्त निगरानी रखी जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने दिल्ली डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के वकीलों का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने बुधवार को दिल्ली के शाहदरा पुलिस स्टेशन में वकीलों के साथ पुलिस अधिकारियों के कथित डराने-धमकाने वाले बर्ताव की कड़ी निंदा की। इस मामले में एक पुलिस अधिकारी द्वारा वकीलों को डराने के लिए रिवॉल्वर दिखाने की खबर भी शामिल है। बुधवार को पारित किए गए एक प्रस्ताव में, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की एग्जीक्यूटिव कमेटी ने कथित व्यवहार को गलत बताया और कहा कि इससे वकीलों की गरिमा, आजादी और सुरक्षा को गंभीर खतरा है, साथ ही यह न्यायपालिका का अपमान भी है। प्रस्ताव में कहा गया, कानून के शासन से चलने वाले समाज में, जो वकील सही तरीके से न्याय की मांग कर रहे हैं, उन्हें डराने के लिए बंदूक का इस्तेमाल करना या उसे दिखाना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। दिल्ली डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के वकीलों के साथ एकजुटता दिखाते हुए, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा कि वकीलों को उनके पेशेवर काम से डराने-धमकाने या उसमें रुकावट डालने की कोई भी कोशिश कानूनी पेशे की आजादी और न्याय प्रशासन पर हमला है।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन कानून के हिसाब से गलती करने वाले अधिकारियों के खिलाफ तुरंत और सख्त कार्रवाई की मांग करता है।' यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की एग्जीक्यूटिव कमेटी की ओर से ऑनरेरी सेक्रेटरी प्रज्ञा बघेल ने जारी किया। बार बॉडी ने दोहराया कि इस तरह के कथित व्यवहार से सख्ती से निपटा जाना चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि वकीलों को बिना किसी डर या धमकी के अपनी पेशेवर जिम्मेदारियां निभानी चाहिए। इस बीच, दिल्ली के सभी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट बार एसोसिएशन की कोऑर्डिनेशन कमेटी ने उस एसीपी को तुरंत सस्पेंड करने की मांग की है, जिसने कथित तौर पर अपनी रिवॉल्वर दिखाई और जवाबदेही की मांग करने पुलिस स्टेशन पहुंचे वकीलों को धमकाया। कमेटी ने संबंधित एसएचओ को निष्पक्ष जांच होने तक सस्पेंड करने की भी मांग की है।

पीएनबी शाखा में 35 करोड़ रुपए के गबन से खाताधारकों में चिंता का माहौल, बैंक ने दिया पैसा सुरक्षित होने का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)

खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्राहक शाखा पहुंचने लगे और अपनी जमा पूंजी को लेकर सवाल उठाने लगे। कई खाताधारकों का कहना है कि उनकी एफडी और खातों में जमा रकम अचानक गायब दिखाई दे रही है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है

ग्रेटर नोएडा के पाई-1 सेक्टर स्थित पंजाब नेशनल बैंक की एक शाखा में कथित वित्तीय घोटाले की खबर सामने आने के बाद खाताधारकों के बीच चिंता बढ़ गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस मामले में 35 करोड़ रुपये से अधिक की अनियमितता की आशंका जताई जा रही है। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्राहक शाखा पहुंचने लगे और अपनी जमा पूंजी को लेकर सवाल उठाने लगे।

कई खाताधारकों का कहना है कि उनकी एफडी और खातों में जमा रकम अचानक गायब दिखाई दे रही है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इस बीच, पंजाब नेशनल बैंक के चीफ मैनेजर राजेश निगम ने भरोसा दिलाया कि सभी का पैसा मिलेगा और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, जिसका भी पैसा बैंक में है, मिलेगा। बैंक में चेकिंग चल रही है और पैसा सबको मिल रहा है। लोगों के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रोसेस चल रहा है, सबका पैसा मिलेगा।' आगे उन्होंने कहा कि बहुत बड़ा बैंक है। किसी को कोई नुकसान नहीं होगा। हालांकि बैंक मैनेजर ने मामले के बारे में कुछ भी बताने से इंकार कर दिया।

उन्होंने कहा कि इस बारे में मैं कुछ बता नहीं सकता। मुझे कुछ समय दीजिए। आगे इस सवाल पर कि 'सिर्फ यही ब्रांच है या और भी ब्रांचों के साथ ऐसा हुआ है?' उन्होंने कहा कि सिर्फ इसी ब्रांच में ऐसा हुआ है। इस दौरान, ब्रांच पर आए कई खाताधारकों ने अपनी समस्या बताई। अमरपाल नाम के एक खाताधारक ने कहा, 'मेरा पंजाब नेशनल बैंक में 80 लाख की तीन एफडी है।' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरा पूरा एफडी क्लोजर करके खा गए और पता अब चल रहा है। उन्होंने बताया कि 'हमने इसकी तहरीर थाने में भी दी है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है।

बैंक वाले गुमराह कर रहे हैं कि 10-15 दिन में आ जाएगा। हमने तो ये सोच कर एफडी की थी कि सरकारी बैंक है, सेफ रहेगा, लेकिन जब ये खा गए तो पैसा सेफ है कहां।' उन्होंने कहा कि हम राज्य सरकार और केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि हमारा पैसा जल्द से जल्द हमारे अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया जाए। वहीं, बृजेश कुमार नाम के एक ग्राहक ने बताया कि मेरा बैंक में 1.18 करोड़ रुपए थे, और कल हम पैसे निकालने के लिए आए तो पता चला कि हमारे अकाउंट से बैलेंस ही खत्म है। जीरो बैलेंस है।

सम्पादकीय

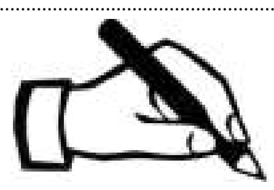

गांव बदलेगा, तभी देश बदलेगा

भारत के विकास की असली तस्वीर उसके गांवों में दिखाई देती है। जिस देश की बड़ी आबादी गांवों में निवास करती हो, वहां ग्रामीण विकास के बिना विकसित राष्ट्र की कल्पना अधूरी है। आज गांवों को केवल कृषि तक सीमित रखने के बजाय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, तकनीक और सुशासन के केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना की अवधारणा ग्रामीण भारत के भविष्य को नई दिशा देने वाली पहल के रूप में महत्वपूर्ण है।

गांवों की समस्याएं केवल सड़कों और बिजली तक सीमित नहीं हैं। पंचायतों की सीमित प्रशासनिक क्षमता, रोजगार के अवसरों की कमी, सरकारी योजनाओं की जानकारी का अभाव और विकास कार्यों में जनभागीदारी की कमी भी बड़ी चुनौतियां हैं। किसी भी ग्रामीण विकास योजना का उद्देश्य इन समस्याओं का स्थायी समाधान करना होना चाहिए।

ग्राम पंचायत लोकतंत्र की सबसे निचली, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण इकाई है। यदि पंचायतें सक्षम हों, तो गांव अपनी जरूरतों के अनुसार विकास की प्राथमिकताएं तय कर सकते हैं। स्थानीय स्तर पर लिए गए निर्णय अधिक व्यावहारिक होते हैं, क्योंकि वहां के लोगों को अपनी समस्याओं और संसाधनों की प्रत्यक्ष जानकारी होती है।

ग्रामीण विकास की सफलता का आकलन केवल बजट या योजनाओं की संख्या से नहीं किया जा सकता। असली प्रश्न यह है कि क्या गांव के युवाओं को रोजगार मिल रहा है? क्या महिलाओं की निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ रही है? क्या किसानों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं? क्या गरीब परिवारों तक सरकारी सहायता समय पर पहुंच रही है?

इन प्रश्नों के उत्तर ही किसी योजना की वास्तविक उपलब्धि तय करेंगे। इसके लिए पंचायतों को पर्याप्त संसाधन, प्रशिक्षित कर्मचारी और आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक है। साथ ही, ग्राम सभाओं को सक्रिय बनाकर जनता को विकास कार्यों की निगरानी का अधिकार और अवसर दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाओं की कमी, प्रशासनिक उदासीनता और भ्रष्टाचार जैसी बाधाएं विकास की गति को धीमा कर सकती हैं।

इसलिए पारदर्शिता, जवाबदेही और नियमित मूल्यांकन को योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सरकार और स्थानीय प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही, ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास, स्थानीय उद्योगों, महिला स्वयं सहायता समूहों और कृषि आधारित उद्यमों को प्रोत्साहन देना चाहिए। इससे गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और शहरों की ओर मजबूरी में होने वाले पलायन को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना का व्यापक महत्व ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने और स्थानीय स्वशासन को प्रभावी बनाने के लक्ष्य में निहित है।

विधान परिषद चुनाव : पुराने गढ़ दरके, नए दावेदार उभरे

कुमार कृष्णन

बिहार विधान परिषद चुनाव के नतीजों ने बता दिया है कि राजनीति में कोई गढ़ अभेद्य नहीं और कोई पुराना चेहरा हमेशा सुरक्षित नहीं रहता। तिरहुत में वामपंथ को झटका लगा, दरभंगा में कांग्रेस का स्थापित नेतृत्व पराजित हुआ, सारण में निर्दलीय उम्मीदवार जीता और पटना में भाजपा की पुरानी सीट उसके हाथ से निकल गई। दूसरी ओर, कोसी में भाजपा ने अपना प्रतिनिधित्व कायम रखा। जन सुराज ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। यह किसी एक दल की लहर या दूसरे के सफाए की कहानी नहीं, बल्कि बदलते मतदाता-मिजाज और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों का संकेत है। संदेश साफ है–पुरानी प्रतिष्ठा, संगठन की ताकत और वर्षों का प्रतिनिधित्व मतदाता की कसौटी पर स्थायी गारंटी नहीं हैं।

शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों का मतदाता आम चुनाव के मतदाता से अलग सामाजिक और राजनीतिक अनुभव रखता है। शिक्षा, रोजगार, पेशेवर सम्मान, सेवा-शर्तें और स्थानीय प्रतिनिधित्व उसके लिए महत्वपूर्ण सवाल हैं। यहां उम्मीदवार की व्यक्तिगत पहचान, वर्षों का संपर्क, संगठन की सक्रियता और समुदाय में स्वीकार्यता निर्णायक हो सकती है। इसलिए इन नतीजों को विधानसभा चुनाव का छोटा संस्करण मानना ठीक नहीं, लेकिन इन्हें पूरी तरह स्थानीय चुनाव कहकर नजरअंदाज करना भी राजनीतिक भूल होगी। तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के नरेंद्र प्रसाद सिंह ने 2, 945 मत हासिल कर निर्दलीय उम्मीदवार भूषण झा को 594 मतों से पराजित किया। भूषण झा को 2, 351 मत मिले, जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के निवर्तमान विधान पार्षद संजय कुमार सिंह 1, 967 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वामपंथ के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का अवसर है। शिक्षक आंदोलनों, संगठनात्मक संघर्ष और शिक्षा के सवालों पर वामपंथ की ऐतिहासिक भूमिका रही है, लेकिन इतिहास की पूंजी वर्तमान की जीत की गारंटी नहीं देती। पुराने संबंध तभी राजनीतिक ताकत बने रहते हैं, जब वे मौजूदा समस्याओं और नई पीढ़ी की अपेक्षाओं से जुड़े हों। क्या शिक्षक समुदाय में वामपंथी संगठनों की पकड़ कमजोर हुई है? क्या संगठन और मतदाता के बीच संवाद में दूरी आई है? या स्थानीय समीकरणों और उम्मीदवार की स्वीकार्यता ने परिणाम को प्रभावित किया? इन सवालों का उत्तर केवल मतगणना से नहीं मिलेगा। शिक्षक समुदाय की प्राथमिकताओं और संगठनात्मक सक्रियता को

समझना होगा। तिरहुत की हार वामपंथ के समूचे प्रभाव का अंतिम फैसला नहीं, लेकिन यह बताती है कि मजबूत मौजूदगी बनाए रखने के लिए निरंतर संवाद और संगठनात्मक नवीनीकरण जरूरी है।

दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में जन सुराज के डॉ. सुरेश प्रसाद राय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन झा को 324 मतों से पराजित किया। लगातार दो चुनाव जीत चुके मदन मोहन झा की हार ने कांग्रेस के स्थानीय संगठन और मतदाताओं से संवाद पर सवाल खड़े किए हैं। प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बनी जन सुराज पार्टी ने स्थापित दलों के विकल्प के रूप में जगह बनाने का दावा किया है। दरभंगा की जीत उसके लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन एक सीट की सफलता को पूरे प्रदेश में स्वीकार्यता का प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी।

जन सुराज को इस उपलब्धि को संगठनात्मक मजबूती, नीतिगत स्पष्टता और निरंतर जनसंपर्क में बदलना होगा। मतदाता के सामने विकल्प प्रस्तुत करना शुरुआत है; उसे विश्वसनीय बनाना लंबी राजनीतिक प्रक्रिया है। मदन मोहन झा जैसे स्थापित चेहरे की हार कांग्रेस के लिए भी सबक है। राजनीतिक अनुभव, पुराना संगठन और परिचित नाम अपने आप में पर्याप्त नहीं। मतदाता को भरोसा चाहिए कि उसका प्रतिनिधि उसकी समस्याएं सुनेगा और पेशेवर हितों के लिए प्रभावी ढंग से काम करेगा। फिर भी एक निर्वाचन क्षेत्र के परिणाम से पूरे बिहार में कांग्रेस की स्थिति का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में निर्दलीय राहुल राज ने 4, 965 मत हासिल कर जीत दर्ज की। जदयू के आनंद पुष्कर को 3, 150 मत मिले, जबकि जन सुराज के आफाक अहमद को 2, 454 मत प्राप्त हुए। दलगत उम्मीदवारों के बीच निर्दलीय प्रत्याशी की सफलता ने उम्मीदवार की व्यक्तिगत स्वीकार्यता और स्थानीय संपर्क की अहमियत रेखांकित की। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता ऐसे प्रतिनिधि को चुनना चाहता है, जिसे वह अपनी समस्याओं से परिचित और अपने बीच का मानता है। हालांकि निर्दलीय की जीत को दलों के प्रति व्यापक अविश्वास का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

स्थानीय परिस्थितियां, उम्मीदवार की पहचान और प्रतिद्वंद्वियों के बीच मतों का बंटवारा भी असर डाल सकते हैं। फिर भी परिणाम दलों को याद दिलाता है कि उम्मीदवार का चयन केवल संगठन के भीतर की गणित से नहीं होना चाहिए। स्थानीय मतदाताओं की अपेक्षाओं की अनदेखी की कीमत चुकानी पड़ सकती है। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में डॉ. संजीव कुमार ने भाजपा के उम्मीदवार प्रो. नवल किशोर यादव को 575 मतों से पराजित किया। नवल किशोर यादव लंबे समय से इस सीट का प्रतिनिधित्व करते रहे थे। उनकी हार को केवल एक उम्मीदवार की पराजय नहीं, बल्कि पटना के शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में पुराने राजनीतिक समीकरणों को मिली चुनौती के रूप में भी देखा जा सकता है।

डॉ. संजीव कुमार की जीत ने राजद को शिक्षक राजनीति में अपनी उपस्थिति मजबूत करने का अवसर दिया है, जबकि भाजपा के लिए यह अपने पुराने आधार और उम्मीदवार की स्वीकार्यता की समीक्षा का मौका है। करीबी मुकाबले में जीत के बाद डॉ. संजीव कुमार के सामने शिक्षक समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जिम्मेदारी है। मतदाताओं ने उन्हें प्रतिनिधित्व सौंपा है; अब इस भरोसे को काम में बदलना उनकी परीक्षा होगी। चुनावी जीत का वास्तविक अर्थ तभी सामने आएगा, जब शिक्षक अपनी समस्याओं के समाधान में अपने प्रतिनिधि की सक्रिय भूमिका महसूस करेंगे। भाजपा के लिए भी हार का अर्थ केवल सीट गंवाना नहीं, बल्कि यह समझना है कि पुराने प्रतिनिधित्व से जुड़ा भरोसा किन कारणों से कमजोर पड़ा।

कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के डॉ. एनके यादव ने फिर जीत दर्ज की और राजद के नीतेश कुमार यादव को लगातार दूसरी बार पराजित किया। यह परिणाम चुनाव की विविध तस्वीर सामने रखता है: जहां कुछ क्षेत्रों में स्थापित प्रतिनिधियों को चुनौती मिली, वहीं कोसी में मतदाताओं ने पुराने नेतृत्व पर भरोसा बनाए रखा। इस निर्वाचन क्षेत्र का भौगोलिक विस्तार और अलग-अलग इलाकों के स्नातक मतदाताओं की अपेक्षाएं स्थानीय समीकरणों को महत्वपूर्ण बनाती हैं। डॉ. एनके यादव की जीत को केवल किसी एक शहर या जिले के समीकरण से नहीं समझा जा सकता। राजद के नीतेश कुमार यादव की लगातार दूसरी हार विपक्ष के लिए संगठन, उम्मीदवार चयन और मतदाताओं तक पहुंच की समीक्षा का अवसर है।

शौचालय की सुविधा ने दिलाई अंधेरे के इंतजार से मुक्ति

माया

किसी घर में शौचालय होना एक ऐसी सुविधा है, जिसकी अहमियत अक्सर तब समझ में आती है, जब वह उपलब्ध न हो। सुबह होने से पहले शौच के लिए बाहर निकलना, दिन में जरूरत पड़ने पर शाम तक इंतजार करना या रात के अंधेरे में घर से दूर जाना, ग्रामीण भारत में लंबे समय तक अनेक महिलाओं और किशोरियों की दिनचर्या का हिस्सा रहा है। यह केवल असुविधा का सवाल नहीं था। इसके साथ सुरक्षा, निजता और स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताएं भी जुड़ी थीं। जिन जरूरतों को पूरा करने के लिए पुरुषों को दिनचर्या में बहुत बदलाव नहीं करना पड़ता, उन्हीं के लिए महिलाओं को अपने समय और परिस्थितियों के साथ समझौता करना पड़ता था।

ऐसे में घर के भीतर शौचालय का निर्माण ग्रामीण परिवारों के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है। स्वच्छता की इस सुविधा ने महिलाओं और किशोरियों को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए दूसरों की सुविधा या अंधेरे पर निर्भर रहने से काफी हद तक मुक्ति दिलाई है। राजस्थान के बीकानेर जिले के लूणकरणसर ब्लॉक का खियेरा गांव इस बदलाव का एक उदाहरण है। यहां लगभग सभी घरों में सरकारी सहायता से शौचालय बन चुके हैं।

गांव की 40 वर्षीय पार्वती बताती हैं कि उन्होंने भी सरकार की मदद से अपने घर में शौचालय बनवाया है। वह कहती हैं, 'अब रात में या सुबह उजाला होने से पहले शौच के लिए बाहर जाने की परेशानी नहीं उठानी पड़ती।' वहीं उसकी 12 वर्षीय बेटी सतना के लिए घर के साथ-साथ स्कूल में शौचालय होना भी महत्वपूर्ण है। वह खुशी से बताती है कि उसके स्कूल में लड़कियों के लिए अलग शौचालय बना हुआ है और वह साफ रहता है।

किशोरावस्था में पहुंच रही लड़कियों के लिए स्कूल में ऐसी सुविधा का होना उनकी पढ़ाई और नियमित उपस्थिति से जुड़ा है। यदि स्कूल में शौचालय न हो या वह गंदा हो, तो लड़कियों को अपनी जरूरतों को टालना पड़ सकता है। कई बार यह परेशानी उनकी पढ़ाई के बीच बाधा बनती है। इसलिए स्कूल में शौचालय का निर्माण तभी सार्थक है, जब उसमें पानी, साबुन, साफ-सफाई और पर्याप्त निजता की व्यवस्था भी हो। इसी गांव में छह माह पहले शादी करके आई 21 वर्षीय प्रीति बताती हैं कि जब उसने ससुराल में घर के अंदर शौचालय देखा, तो उन्हें बहुत खुशी हुई। उसने यह बात अपने माता-पिता को भी बताई। अब उनके मायके में भी शौचालय निर्माण के लिए आवेदन दिया गया है।

दरअसल गाँव में स्वच्छता की तस्वीर बदलने में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसकी शुरुआत 2 अक्टूबर 2014 को हुई थी। जल शक्ति मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2026 तक देश में इस मिशन के तहत 12, 04, 87, 602 व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण दर्ज किया गया। राजस्थान में यह संख्या 85, 90, 938 थी। ये आंकड़े ग्रामीण परिवारों तक शौचालय की सुविधा पहुंचाने के व्यापक प्रयास को दर्शाते हैं। हालांकि, निर्मित शौचालयों की कुल संख्या और वर्तमान में शौचालय से वंचित परिवारों की संख्या अलग-अलग बातें हैं। निर्माण के बाद शौचालय का चालू रहना, पानी उपलब्ध होना और उसका नियमित इस्तेमाल भी जरूरी है। हालांकि कुछ ग्रामीण परिवार अब भी शौचालय की सुविधा से वंचित हैं। इसके पीछे आर्थिक तंगी, घर में पर्याप्त जगह का अभाव, पानी की कमी, निर्माण की तकनीकी जानकारी न होना या सरकारी सहायता के लिए आवेदन करने में कठिनाई जैसी वजहें हो सकती हैं।

मुझे छोड़ देना चाहिए

पैसे कमाने के लिए व्यक्ति दिन रात
एक कर देता है लेकिन उसका काम
निखर कर बाहर नहीं आता है और फिर
व्यक्ति उदास हो जाता है उसे लगता है कि
मुझे पीछे हट जाना चाहिए इस काम से लेकिन
व्यक्ति फिर विचार करता है एक बार में फिर
कोशिश कर लेता हूं आखिर ऐसी क्या कमी है।
जो मैं पूरी नहीं कर सकता और बस इसी सोच
के साथ करते हैं उसका काम आगे निकल पड़ता है।

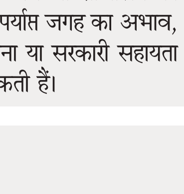

करिश्मा गुज्जर
(खारी)

शांत और परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र

किशन सनमुखदास भावनानीं

भारतीय संस्कृति, सभ्यता के बारे में हमने साहित्य और इतिहास के माध्यम से और भारत माता की गोद में रहकर पारिवारिक संस्कृति, मान सम्मान, रीति- रिवाजों से इसे प्रत्यक्ष महसूस भी कर रहे हैं। परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों के माध्यम से हमने कई बार सतयुग का नाम सुने हैं, जिसका वर्णन वे स्वर्गलोक़ के तुल्य करते हैं। याने इतनी सुखशांति, अपराध मुक्ति, इमानदारी, शांति सरोवर तुल्य, कोई चालाकी चतुराई गलतफहमी या कुटिलता या भ्रष्टाचार नहीं, बस एक ऐसा युग कि कोई अगर कुछ दिन, माह के लिए बाहर गांव जाए तो अपने घरों को ताला तक लगाने की ज़रूरत नहीं!अब कल्पना कीजिए कि अपराध बोध मुक्त युग! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हमारी पूर्व की पीढ़ियों ने ऐसा युग जिए होंगे तब यह बोध आगे की पीढ़ियों में आया, जिसे सतयुग के नाम से जरूर जाना जाता है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान युग पर बड़े बुजुर्गों में चर्चा की करें तो इस इसे कलयुग नाम देते हैं, याने सभी प्रकार के अपराध बोध से युक्त संसार। हर तरह की बेईमानी, भ्रष्टाचार कुटिलता से भरा हुआ युग!आज भी बुजुर्गों का मानना है कि वह सतयुग फिर आएगा, याने आज की तकनीकी भाषा में अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार बेईमानी कुटिलता मुक्त पारदर्शिता और अनेकता में एकता वाले भारत की परिकल्पना का युग। साथियों बात अगर हम अपराध, भ्रष्टाचार, बेईमानी, कुटिलता से भरे जग की करें तो मेरा मानना है कि इसका मुख्य प्रवेश द्वार क्रोध, उत्तेजित स्वभाव व लालच है जिसमें आपराधिक बोध प्रवृत्ति का जन्म होता है और व्यक्ति क्रोध में हिंसा, अपराध, लालच, भ्रष्टाचार, बेईमानी और कुटिलता के अमानवीय कृति और अन्य गलत कार्यों की ओर मुड़ जाता है और आगे बढ़ते ही चले जाता है जब जीवन के असली महत्व का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। क्रोध की अभिव्यक्ति हमारे अंदर की कुंठा, हिंसा व द्वेष के कारण भी हो सकती है।

वर्तमान काल में अपराधों के बढ़ने का एक प्रमुख कारण भीषण क्रोध ही है। क्रोध से उत्पन्न हुए अपराधों के औचित्य को सिद्ध करने के लिए क्रोधी व्यक्ति कुतर्क कर दूसरे को ही दोषी सिद्ध करता है। एक दोष को दूर करने के लिए अनेक कुतर्क पेश करता है। क्रोध में व्यक्ति आपा खो देता है। क्रोध में अंततः बुद्धि निस्तेज हो जाती है और विवेक नष्ट हो जाता है। क्रोध का विकराल रूप जुनून है। आदमी पर जुनून सवार होने पर वह जघन्य से जघन्य अपराध कर बैठता है। जुनून की हालत में उसे मानवीय गुणों का न बोध रह पाता है और न ही ज्ञान। क्रोध मानव का सबसे बड़ा शत्रु है, बहुत बड़ा अभिशाप है। साथियों बात अगर हम शांत, परोपकारी स्वभाव ही जीवन का मूल मंत्र की करें तो अभिभावकों, शिक्षकों को बच्चों को यह शिक्षा देना है और हम बड़ों को यह स्वतः संज्ञान लेना है कि माचिस की तीली बनने की बजाय शांत सरोवर बनना होगा, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए, बस! यह भाव अगर हम मनीषियों के हृदय में समाहित हो जाए तो यह विश्व फिर सतयुग का रूप धारण करेगा जहां किसी तरह का कोई अपराध बोध या गलत काम का भाव नहीं होगा।

सभी मनीषी जीव परोपकारी भाव से युक्त होंगे भाईचारा, प्रेम, सद्भाव की बारिश होगी जहां बिना ताले घरबार छोड़ कहीं भी जाने के भाव जागृत होंगे और हमारे बुजुर्गों का सतयुग रूपी सपना साकार होगा। साथियों बात अगर हम स्वयं को माचिस की तीली यानी क्रोधित होने पर विपरीत परिणामों की करें तो, क्रोध मनुष्य को बर्बाद कर देता है और उसे अच्छे बुरे का पता नही चलने देता, जिस कारण मनुष्य का इससे नुक्सान होता है। क्रोध मनुष्य का प्रथम शत्रु होता है। क्रोधी व्यक्ति आवेश में दूसरे का इतना बुरा नहीं जितना स्वयं का करता है। क्रोध व्यक्ति की बुद्धि को समाप्त करके मन को काला बना देता है। साथियों बात अगर हम क्रोध को नियंत्रित कर समाप्त करने की तकनीकी की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार क्रोध के नकारात्मक प्रभाव पूरे इतिहास में देखे गए हैं। प्राचीन दार्शनिकों, धर्मपरायण व्यक्तियों और आधुनिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतीत होने वाले अनियंत्रित क्रोध का मुकाबला करने की सलाह दी गई है।

आधुनिक समय में, क्रोध को नियंत्रित करने की अवधारणा को मनोवैज्ञानिकों के शोध के आधार पर क्रोध प्रबंधन कार्यक्रमों में अनुवादित किया गया है। क्रोध प्रबंधन क्रोध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक मनो-चिकित्सीय कार्यक्रम है। इसे क्रोध को सफलतापूर्वक तैनात करने के रूप में वर्णित किया गया है। क्रोध अक्सर हताशा का परिणाम होता है, या किसी ऐसी चीज से अवरुद्ध या विफल होने का अनुभव होता है जिसे विषय महत्वपूर्ण लगता है। अपनी भावनाओं को समझना क्रोध से निपटने का तरीका सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है।

जिन बच्चों ने अपनी नकारात्मक भावनाओं को क्रोध डायरी में लिखा था, उन्होंने वास्तव में अपनी भावनात्मक समझ में सुधार किया, जिससे बदले में कम आक्रामकता हुई। जब अपनी भावनाओं से निपटने की बात आती है, तो बच्चे ऐसे उदाहरणों के प्रत्यक्ष उदाहरण देखकर सबसे अच्छा सीखने की क्षमता दिखाते हैं, जिनके कारण कुछ निश्चित स्तर पर गुस्सा आया। उनके क्रोधित होने के कारणों को देखकर, वे भविष्य में उन कार्यों से बचने की कोशिश कर सकते हैं या उस भावना के लिए तैयार हो सकते हैं जो वे अनुभव करते हैं यदि वे खुद को कुछ ऐसा करते हुए पाते हैं जिसके परिणामस्वरूप आमतौर पर उन्हें गुस्सा आता है, इसके साथ ही एकांत में जाकर ध्यान के माध्यम से क्रोध के विकारों को नष्ट करने का प्रयास करें तो ऋणात्मक ऊर्जा को मोड़कर हम सकारात्मक ऊर्जा से विवेक सम्मत निर्णय लेने में सक्षम हो सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शांत, परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र है!स्वयं को माचिस की तीली बनने की बजाए शांति सरोवर बनाएं, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए। क्रोध, उत्तेजित स्वभाव, अपराधिक बोध प्रवृत्ति का मुख्य प्रवेशद्वार है अपराध मुक्त भारत के लिए मनीषियों को क्रोध त्यागना प्राथमिक उपाय है।

एक ही खेत से दोहरी पैदावार : कृषि और सौर ऊर्जा का संगम

विजय गर्ग

कृषि ग्रामीण भारत की रीढ़ है, जबकि सौर ऊर्जा स्वच्छ बिजली के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में उभर रही है। परंपरागत रूप से खेती और सौर ऊर्जा उत्पादन के बीच भूमि के उपयोग को लेकर प्रतिस्पर्धा रही है। सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए बड़े भू-भाग की आवश्यकता होती है, जिनका उपयोग अन्यथा फसलें उगाने के लिए किया जा सकता है।

लेकिन अब एग्रीवोल्टिक्स नामक एक अभिनव तकनीक कृषि और सौर ऊर्जा को एक ही भूमि पर एक साथ विकसित करने का अवसर प्रदान करती है। इस प्रणाली में ऊँचाई पर लगाए गए सौर पैनलों के नीचे या उनके बीच फसलें उगाई जाती हैं और साथ ही बिजली भी पैदा की जाती है। इस अवधारणा से एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है: क्या भारतीय किसान कृषि उत्पादन को नुकसान पहुँचाए बिना एक ही खेत से अनाज और सौर ऊर्जा, दोनों प्राप्त कर सकते हैं?

एग्रीवोल्टिक्स क्या है?

एग्रीवोल्टिक्स वह प्रणाली है, जिसमें एक ही भूमि पर कृषि उत्पादन और सौर फोटोवोल्टिक तकनीक का एक साथ उपयोग किया जाता है। सौर पैनलों को उचित ऊँचाई और दूरी पर स्थापित किया जाता है, ताकि उनके नीचे या बीच में खेती की जा सके। इस प्रणाली के अंतर्गत सब्जियाँ, पशुओं के लिए हरा चारा, औषधीय पौधे और आंशिक छाया में उगने वाली कुछ फसलें पैदा की जा सकती हैं। पारंपरिक सौर ऊर्जा पार्कों में कृषि गतिविधियाँ कम हो सकती हैं, लेकिन एग्रीवोल्टिक्स का उद्देश्य खेती और ऊर्जा उत्पादन को साथ-साथ जारी रखना है। भारत जैसे देश में, जहाँ कृषि खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, यह तकनीक विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकती है।

भारतीय किसानों के लिए संभावित लाभ

इस प्रणाली का सबसे बड़ा लाभ किसानों की आय के दो स्रोत विकसित करना है। किसान कृषि उपज बेचकर और सौर बिजली से भी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। स्वामित्व और समझौते की शर्तों के अनुसार बिजली को विद्युत ग्रिड में बेचा जा सकता है अथवा सिंचाई पंपों और अन्य कृषि कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

सौर पैनल आंशिक छाया भी प्रदान करते हैं। गर्म और शुष्क क्षेत्रों में यह छाया कुछ फसलों को अत्यधिक गर्मी से बचाने तथा मिट्टी की नमी बनाए रखने में मदद कर सकती है। हालाँकि, इसका लाभ फसल की किस्म, स्थानीय जलवायु, पैनलों की ऊँचाई, उनके बीच की दूरी और पौधों तक पहुँचने वाली धूप पर निर्भर करता है।

एग्रीवोल्टिक्स पानी के अधिक कुशल उपयोग में भी सहायक हो सकता है। कुछ परिस्थितियों में मिट्टी से पानी का वाष्पीकरण कम होने के कारण नमी अधिक समय तक बनी रह सकती है। हालाँकि, पैनलों के कारण वर्षा का पानी कुछ स्थानों पर अधिक और कुछ स्थानों पर कम गिर सकता है। इसलिए जल निकासी और पानी के वितरण का उचित प्रबंधन आवश्यक है।

क्या फसलों की पैदावार प्रभावित होगी?

इस तकनीक की सबसे बड़ी चुनौती बिजली उत्पादन और कृषि उत्पादकता के बीच संतुलन बनाए रखना है। पौधों को प्रकाश संश्लेषण, विकास और अनाज बनने के लिए पर्याप्त सूर्यप्रकाश की आवश्यकता होती है। अत्यधिक छाया के कारण विशेष रूप से अधिक धूप चाहने वाली फसलों की पैदावार घट सकती है।

इसलिए सभी खेतों और फसलों के लिए एक ही प्रकार की व्यवस्था उपयुक्त नहीं होगी। फसलों का चयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्तेदार सब्जियाँ, कुछ चारा फसलें और छाया सहन करने वाले पौधे उचित परिस्थितियों में अच्छी तरह विकसित हो सकते हैं। इसके विपरीत, गेहूँ, धान और अन्य अधिक धूप चाहने वाली फसलों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है। पंजाब में गेहूँ और धान प्रमुख फसलें हैं। इसलिए यहाँ बड़े पैमाने पर इस तकनीक को अपनाने से पहले स्थानीय परिस्थितियों में वैज्ञानिक परीक्षण किए जाने चाहिए। शोधकर्ताओं को कई फसल मौसमों के दौरान पैदावार, अनाज की गुणवत्ता, पानी की खपत, बिजली उत्पादन और किसानों के लाभ का मूल्यांकन करना चाहिए।

चुनौतियाँ और व्यावहारिक समाधान

ऊँचे सौर पैनल लगाने के लिए प्रारंभिक निवेश काफी अधिक हो सकता है। किसानों को पैनलों के नीचे ट्रैक्टर, कंबाइन हार्वेस्टर और अन्य कृषि मशीनें चलाने में भी कठिनाइयाँ हो सकती हैं। इसलिए पैनलों की ऊँचाई और व्यवस्था तय करते समय कृषि उपकरणों, फसलों की ऊँचाई, जल निकासी और नियमित कृषि गतिविधियों का ध्यान रखना चाहिए।

सरकारी सहायता, सस्ती वित्तीय सुविधाएँ, सहकारी स्वामित्व और नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों के साथ साझेदारी इस तकनीक को अधिक किसानों तक पहुँचाने में मदद कर सकती है। कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप मॉडल विकसित करके प्रायोगिक परियोजनाएँ शुरू करनी चाहिए। किसानों को बिजली की कीमत, रखरखाव के खर्च, भूमि के स्वामित्व और उपकरणों की मरम्मत संबंधी जिम्मेदारियों के बारे में स्पष्ट समझौते भी मिलने चाहिए। छोटे किसानों को पूँजी की कमी के कारण इस तकनीक के लाभों से वंचित नहीं रहना चाहिए।

टिकाऊ भविष्य की ओर

एग्रीवोल्टिक्स भारत की कृषि परंपरा को स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्यों से जोड़ने का एक नया अवसर प्रदान करता है। यह किसानों की आय के स्रोत बढ़ाने, भूमि का अधिक कुशल उपयोग करने और कम कार्बन उत्सर्जन वाली बिजली पैदा करने में योगदान दे सकता है। हालाँकि, इसकी सफलता वैज्ञानिक योजना और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार तकनीक अपनाने पर निर्भर करेगी।

आगे बढ़ने के लिए पहले चुनिंदा क्षेत्रों में प्रायोगिक परियोजनाएँ शुरू की जानी चाहिए। पारंपरिक खेती और एग्रीवोल्टिक्स के अंतर्गत होने वाली पैदावार की तुलना की जानी चाहिए तथा आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ प्रमाणित होने पर ही इसका विस्तार किया जाना चाहिए। खेती का भविष्य शायद भोजन और बिजली में से किसी एक को चुनने पर निर्भर न हो। उचित तकनीक, उपयुक्त फसलों और किसान-केंद्रित नीतियों के माध्यम से एक ही खेत से दोहरी पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा ओ.एस. पब्लिकेशन, बी-2542, नरेला, इंडस्ट्रियल एरिया, नार्थ वेस्ट दिल्ली-110040 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन एवं इंडस्ट्री का प्रमुख केंद्र बन रहा उत्तर प्रदेश : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश, नवाचार और उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास को लेकर बड़ा बदलाव आया है। सीएम ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रदेशवासियों को सरकार की उपलब्धियों और निवेश को लेकर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। सीएम योगी ने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेश आकर्षित करने की न स्पष्ट दृष्टि थी, न कोई ठोस कार्ययोजना, किन्तु डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र से प्रदेश में निवेश एवं औद्योगिक विकास की नई कार्य-संस्कृति विकसित की। उन्होंने कहा कि बेहतर

कानून-व्यवस्था, पारदर्शी नीतियों और निवेश अनुकूल वातावरण से आज उत्तर प्रदेश इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन एवं इंडस्ट्री का प्रमुख केंद्र बन रहा है।

इसी बढ़ते वैश्विक विश्वास को नई ऊंचाई देने के लिए आज सिंगापुर के डेलीगेशन के साथ बैठक में उत्तर प्रदेश में निवेश की नई संभावनाओं, वर्तमान परियोजनाओं को गति देने और निवेश को धरातल पर उतारकर उत्पादन शुरू करने पर चर्चा होगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि हर निवेश से नया उद्योग, हर उद्योग से नया रोजगार और हर रोजगार से परिवारों में खुशहाली के संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रयासरत हैं।

इसके लिए प्रदेश में औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार, निवेश को प्रोत्साहन और रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को गति दी जाए। इस दिशा में एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डों, औद्योगिक गलियारों और माल ढुलाई नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है, ताकि उद्योगों को बेहतर परिवहन सुविधाएं और बाजार उपलब्ध हो सकें। वहीं, 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने की पहल की जा रही है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर भी जोर है।

2017 से पहले न स्पष्ट दृष्टि थी, न ठोस कार्ययोजना

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेश आकर्षित करने के लिए न तो स्पष्ट दृष्टि थी और न ही कोई ठोस कार्ययोजना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदला है। सरकार ने रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र के साथ प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास की नई कार्यसंस्कृति विकसित की है।

सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल से होगी चर्चा

सीएम ने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी नीतियों और निवेश के अनुकूल माहौल के कारण उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। इसी विश्वास को और मजबूत करने के लिए बुधवार को सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक प्रस्तावित है। इसमें प्रदेश में निवेश की नई संभावनाओं, मौजूदा परियोजनाओं को गति देने और निवेश को धरातल पर उतारकर उत्पादन शुरू कराने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

निवेश से रोजगार तक, वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

सीएम ने आगे कहा कि सरकार का संकल्प है कि हर निवेश से नया उद्योग, हर उद्योग से नया रोजगार और हर रोजगार से परिवारों में खुशहाली आए। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। सरकार का जोर निवेश प्रस्तावों को वास्तविक औद्योगिक परियोजनाओं में बदलने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर है।

गाजियाबाद : फैब्रिकेशन फैक्ट्री में लगी आग, दमकल की टीम ने पाया काबू

गाजियाबाद (एजेंसी)

गाजियाबाद के लोनी के ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया में बुधवार सुबह एक फैक्ट्री में आग लगने से हड़कंप मच गया। सेक्टर ए-7, पार्ट-1 स्थित प्लॉट नंबर एफ-18 पर संचालित जावेद फैब्रिकेशन नामक फैक्ट्री के भूतल पर आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए करीब 35 मिनट के भीतर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

दमकल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को सुबह करीब 9:15 बजे लोनी स्थित ट्रॉनिका सिटी फायर स्टेशन के कंट्रोल रूम को फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही ट्रॉनिका सिटी फायर स्टेशन से तीन फायर टेंडर और फायर सर्विस यूनिटों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। घटनास्थल फायर स्टेशन से लगभग पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित था। इसके साथ ही घटना की जानकारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी, कमिश्नरेट गाजियाबाद को भी दी गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर आग बुझाने के लिए वैशाली फायर स्टेशन से एक वाटर बाउजर और जनपद बागपत के खेकड़ा फायर स्टेशन से एक अतिरिक्त फायर टेंडर भी रवाना किया गया। इस तरह आग पर काबू पाने के लिए अलग-अलग फायर स्टेशनों से अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था की गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने देखा कि करीब 300 वर्गमीटर के भूखंड पर बने दो मंजिला भवन के भूतल में आग लगी हुई थी। इस फैक्ट्री में फ्लैक्सिबल प्रिंटिंग और मेटल फैब्रिकेशन का काम किया जाता है। आग लगने के बाद दमकल कर्मियों ने तत्काल होज पाइप फैलाकर मोटर फायर इंजन की मदद से पानी की पंपिंग शुरू की और आग बुझाने का अभियान चलाया।

एमएलसी चुनाव : पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में राजद ने भाजपा से छीनी सीट

पटना (एजेंसी)

बिहार विधान परिषद की आठ सीटों के लिए हुए चुनाव के नतीजे सामने आने लगे हैं। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में कई सीटों पर उलटफेर देखने को मिला है। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी डॉ. संजीव कुमार ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नवल किशोर यादव को हराकर जीत दर्ज की है। वहीं, दरभंगा शिक्षक सीट पर जन सुराज पार्टी के सुरेश राय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मदन मोहन झा को पराजित किया। सारण शिक्षक सीट से भाजपा के बागी निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. राहुल राज ने जीत हासिल की, जबकि तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के नरेंद्र प्रसाद सिंह विजयी रहे। जीत के बाद डॉ. संजीव कुमार ने मीडिया से बातचीत में इसे शिक्षक समाज की जीत और अधर्म पर धर्म की जीत बताया। उनके अनुसार, पिछले 30 वर्षों से अन्याय हो रहा था और फर्जी

वोटों के सहारे जीत हासिल की जा रही थी। उन्होंने दावा किया कि पूरी राजनीतिक ताकत उनके खिलाफ लगी थी, इसके बावजूद उन्होंने जीत दर्ज की। संजीव कुमार ने अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और परिवार के सदस्यों के सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान पुलिस-प्रशासन का इस्तेमाल किया गया और तीन-तीन कमिश्नरों को बदला गया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री से लेकर पूरा मंत्रिमंडल उन्हें हराने में लगा था। राजद प्रत्याशी ने कहा कि वह शिक्षक समाज से किए गए वादों को ईमानदारी और मजबूती के साथ पूरा करेंगे। विधान परिषद में शिक्षकों की आवाज बुलंद करेंगे और सरकार को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए काम करने को बाध्य करेंगे। उन्होंने कहा कि पटना शिक्षक सीट पर 30 साल पुराने किले को तोड़ने के बाद वह आगे भी भाजपा सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान हुआ था। इनमें चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में 82.85 प्रतिशत जबकि स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में 53.42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। चुनाव में कुल 150 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के 90 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के 60 प्रत्याशी शामिल थे। पटना, दरभंगा, तिरहुत और कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के साथ पटना, दरभंगा, तिरहुत और सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान कराया गया था।

साइबर जासूसी नेटवर्क का खुलासा, पाकिस्तानी हैंडलर्स को ओटीपी भेजने के आरोप में दो गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण (एजेंसी)

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल में साइबर जासूसी से जुड़े एक मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि दोनों भारतीय मोबाइल नंबरों से व्हाट्सएप अकाउंट बनाते थे और उन्हें सक्रिय करने के लिए मिलने वाले ओटीपी पाकिस्तानी हैंडलर्स तक पहुंचाते थे। इस काम के बदले उन्हें पैसे दिए जाने का भी आरोप है। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा की एटीएस और पूर्वी चंपारण पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार किया।

पुलिस को आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन मिले हैं। फिलहाल जांच एजेंसियां इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और व्हाट्सएप खातों के इस्तेमाल के उद्देश्य का पता लगाने में जुटी हैं। इस मामले की जांच आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में दर्ज कांड संख्या 01/2026 के अनुसंधान के दौरान शुरू हुई। जांच के क्रम में पुलिस को रक्सौल क्षेत्र में सक्रिय कुछ संदिग्धों के बारे में जानकारी मिली। आरोप है कि ये लोग भारतीय मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करके व्हाट्सएप अकाउंट बनाते थे और उन्हें सक्रिय करने के लिए जरूरी ओटीपी पाकिस्तानी एजेंटों को भेजते थे। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इन व्हाट्सएप खातों का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों और जासूसी के लिए किया जा सकता था। सूचना मिलने के बाद विजयवाड़ा पुलिस और रक्सौल पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। इसके बाद टीम ने रक्सौल थाना क्षेत्र के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रक्सौल के नागा रोड निवासी बलिराम पांडेय के पुत्र आदित्य पांडेय और मधुबनी जिले के हरलाखी निवासी सुरेश साह के पुत्र राजा कुमार के रूप में हुई है। राजा कुमार का वर्तमान पता रक्सौल थाना क्षेत्र के नोनियाडीह में बताया गया है।

ई-चालान न भरने पर बिहार में गाड़ियां होंगी ब्लैकलिस्ट, रुकेंगी ऑनलाइन सेवाएं

पटना (एजेंसी)

यातायात नियमों के उल्लंघन पर जारी होने वाले ई-चालान का समय पर भुगतान न करने वाले वाहन स्वामियों के खिलाफ बिहार परिवहन विभाग अब कड़ा रुख अपनाने जा रहा है। बकाया जुर्माना न भरने वाली गाड़ियों को परिवहन विभाग के पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा और उनकी सभी ऑनलाइन सेवाएं रोक दी जाएंगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब तक लंबित जुर्माने का पूरा भुगतान नहीं होगा, तब तक वाहनों से संबंधित किसी भी प्रशासनिक या ऑनलाइन प्रक्रिया की अनुमति नहीं दी जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित हालिया आदेश के बाद राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के सचिवों और जिला परिवहन अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। विभागीय निर्देशों के अनुसार, बकाया यातायात जुर्माने की

राशि रखने वाले वाहनों के निबंधन प्रमाण-पत्र के नवीकरण, निबंधन प्रमाण-पत्र की द्वितीयक प्रति जारी करने और वाहन स्वामी के पत्राचार पते में बदलाव जैसी सेवाओं को पूरी तरह रोक दिया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, बकाया जुर्माने का पूर्ण भुगतान होने तक वाहन का अद्यतन दुरुस्ती प्रमाण-पत्र अर्थात फिटनेस प्रमाण-पत्र और प्रदूषण प्रमाण-पत्र भी निर्गत नहीं किया जाएगा। परिवहन विभाग ने लंबित जुर्माने वाले वाहनों को पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट करने के साथ-साथ उनके स्वामित्व हस्तांतरण की प्रक्रिया पर भी रोक लगाने का निर्देश दिया है। इससे बकाया राशि का भुगतान किए बिना वाहन की खरीद-बिक्री या हस्तांतरण संभव नहीं हो सकेगा। बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर शिकंजा कसते हुए उनके ड्राइविंग लाइसेंस के नवीकरण पर रोक लगाने तथा नियमानुसार लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा सड़कों पर वाहनों की रैंडम जांच की जाएगी। जांच के दौरान यदि किसी वाहन पर ई-चालान का भुगतान लंबित मिलता है, तो अधिकारी उस वाहन को मौके पर जब्त करने की कार्रवाई करेंगे। परिवहन सचिव राज कुमार ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुसार ही लंबित ई-चालान वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार यह कड़ी कार्रवाई की जा रही है। राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने बताया कि चालकों में बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने तथा ई-चालान जारी होने के बावजूद जुर्माने का भुगतान न करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए यह आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

एमएलसी चुनाव : अनुज सिंह के पिछड़ने के बाद अनंत सिंह ने मानी हार, बोले-'जनता ही मालिक'

पटना (एजेंसी)

बिहार विधान परिषद के पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह के पिछड़ने के बाद मोकामा से विधायक अनंत सिंह ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि जनता ही मालिक और भगवान है। जनता ने जिसे वोट दिया, वह जीत गया और जिसे वोट नहीं दिया, वह हार गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें जनता के फैसले से कोई नाराजगी नहीं है और पार्टी के खिलाफ वह कभी नहीं बोलेंगे।

अनंत सिंह ने कहा कि मतगणना समाप्त हो चुकी है और अनुज सिंह चुनाव हार गए हैं। अब इसमें तीसरे या चौथे स्थान की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'नीरज जी जीत गए हैं और हम हार गए हैं। अब इसमें कहना ही क्या है।' पार्टी की नाराजगी को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी ही मालिक है और जो भी निर्णय लेना होगा, वही करेगी। उनका कहना था कि उनका ऐसा क्या योगदान है कि वह कहें कि पार्टी उनकी है, इसलिए उन्हें कोई नुकसान महसूस नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी से किसी तरह की नाराजगी होने से भी इनकार किया। अनंत सिंह ने स्वीकार किया कि जदयू प्रत्याशी नीरज कुमार से नाराजगी के कारण उन्होंने जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि नीरज कुमार के विरोध में उन्होंने अनुज सिंह का साथ दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उन लोगों ने वोट भी नहीं बनवाया था। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले में पार्टी के खिलाफ वह कभी नहीं बोले हैं। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना में जदयू प्रत्याशी नीरज कुमार आगे चल रहे हैं जबकि राजद के प्रत्याशी दूसरे स्थान पर हैं। इस चुनाव में जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह काफी पीछे है।

आगरा में सपा ने फिर भाजपा को दी पटखनी, शिक्षक एमएलसी सीट पर आकाश अग्रवाल जीते

आगरा (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक सीटों के चुनाव में आगरा से समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी, दोनों के लिए जीत की खबर आई है। आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर भाजपा को झटका दिया है।

वहीं, आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ गुरुजी ने सपा के शशांक यादव को हराकर अपनी सीट बरकरार रखी। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में विजयी घोषित होने के बाद रिटर्निंग ऑफिसर नरेंद्र प्रताप ने बुधवार को डॉ. आकाश अग्रवाल को जीत का प्रमाणपत्र सौंपा। हालांकि, प्रशासन की ओर से मतों के अंतिम आधिकारिक आंकड़े तत्काल उपलब्ध नहीं कराए गए। प्रमाणपत्र मिलने के

बाद आकाश अग्रवाल को मीडिया से बातचीत का अवसर भी नहीं मिला। उन्हें पुलिस सुरक्षा के बीच मतगणना स्थल के पिछले गेट से बाहर ले जाया गया। इस दौरान उनके समर्थकों की भारी भीड़ जुटी रही।

उधर, स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में जीत के बाद भाजपा प्रत्याशी डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह ने पार्टी की सफलता का श्रेय कार्यकर्ताओं की मेहनत और सरकार के कामकाज को दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों, स्नातकों, अधिवक्ताओं और पत्रकारों का समर्थन भाजपा को मिला है, जिसके परिणामस्वरूप पार्टी ने जीत दर्ज की है। मानवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि भाजपा ने जो वादे किए, उन्हें पूरा करने का प्रयास किया है। उन्होंने रोजगार, सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता, प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना और एक जिला, एक उत्पाद जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में बिना खर्ची और बिना पर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले सैफई और रामपुर का सिंडिकेट नौकरियों पर डाका डालता था जबकि अब योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जा रही है और अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। आगरा के पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत मतगणना की प्रक्रिया पूरी कराई गई।

एक निर्वाचन क्षेत्र में विजेता की घोषणा कर दी गई है, जबकि दूसरे में अंतिम मतगणना की प्रक्रिया पूरी की जा रही थी। उन्होंने कहा कि पूरी गणना शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि दोनों विजयी प्रत्याशियों को सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। शहर में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू होने के कारण किसी भी तरह का विजय जुलूस निकालने की अनुमति नहीं होगी। प्रत्याशियों को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

बिहार : सारण में ट्रक ने ऑटो को मारी टक्कर, चार लोगों की मौत

छपरा (एजेंसी)

बिहार के सारण जिले में मंगलवार देर रात भीषण सड़क हादसे में मां-बेटे समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पिता और उनकी दो वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा गड़खा थाना क्षेत्र में छपरा-मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-722 पर पहाड़पुर के समीप हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक परिवार लुधियाना में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गया था। समारोह के बाद परिवार बिहार लौटा और छपरा जंक्शन पर ट्रेन से उतरने के बाद ऑटो से अपने घर के लिए रवाना हुआ। इसी दौरान गड़खा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को अपनी चपेट में ले लिया। घर लौट रहे परिवार की खुशियां कुछ ही पलों में मातम में बदल गईं। बताया जा रहा है कि ऑटो में चालक और खलासी समेत कुल छह लोग सवार थे। ट्रक की टक्कर के बाद ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए। हादसे में चालक और उसके सहयोगी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों में सारण जिले के परसा थाना क्षेत्र के पूरे छपरा गांव निवासी विशाल कुमार की पत्नी अनु कुमारी और उनका बेटा ऋषभ कुमार शामिल हैं। मां और मासूम बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे में विशाल कुमार और उनकी बेटी भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का उपचार एक अस्पताल में चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बरेली और कन्नौज में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 2 बदमाशों को किया गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के बरेली और कन्नौज में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों गोली लगने घायल हो गए। पुलिस ने घायल अपराधियों को अस्पताल में भर्ती कराने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। बरेली पुलिस ने बताया कि 21 नवंबर को को थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत न्यायालय परिसर में पेशी के दौरान आरोपी सचिन सिंह ठाकुर (निवासी ठेरा की टाल, थाना सुभाषनगर) पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। इस संबंध में थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सचिन रेलवे स्टेशन के आगे नॉर्थ कॉलोनी के पास खड़ा है। सूचना पर थाना कोतवाली

पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बुधवार सुबह 3:35 बजे एक व्यक्ति पैदल आता दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा उसे रुकने के लिए कहा गया तो वह भागते हुए पुलिस पर फायरिंग करने लगा। इस दौरान एक गोली हेड कांस्टेबल रवाब मियां के दाहिने बाजू को छूते हुए निकल गई।

पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में सचिन सिंह ठाकुर के दाहिने पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा और 4 कारतूस बरामद हुए हैं। घायल सचिन और घायल पुलिसकर्मी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार आरोपी सचिन सिंह ठाकुर पर 25,000 का इनाम घोषित है। इसके अलावा सचिन पर 8 केस पहल से दर्ज हैं। वहीं, कन्नौज में महिला को जलाने वाले आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। सर्वेश ने क्षेत्र के तिगुड़िया गांव की 65 वर्षीय महिला सोनतारा पर पेट्रोल जलाकर आग लगा दी थी। सोनतारा के बेटे के साथ उसकी पत्नी चली गई थी। इससे क्रोधित होकर सर्वेश ने सोनतारा को जान से मारने की कोशिश की थी। बुधवार तड़के आरोपी सर्वेश की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान छिबरामऊ के तालग्राम रोड पुलिया पर एसओजी ने की घेरेबंदी तो सर्वेश ने फायरिंग की।

त्योहारों को लेकर नोएडा पुलिस अलर्ट, संवेदनशील इलाकों में बढ़ेगी गश्त, सोशल मीडिया पर रहेगी नजर

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)

आगामी त्योहारों के मद्देनजर गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीन रंजन सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों, थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की।

बैठक में त्योहारों के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने, संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने और अपराध नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में एडीसीपी सेंट्रल नोएडा स्वतंत्र

कुमार सिंह, एसीपी प्रथम सेंट्रल नोएडा दीक्षा सिंह, एसीपी द्वितीय कमलेश कांत और एसीपी तृतीय राजीव कुमार सहित थाना फेस-2, फेस-3, बिसरख, सेक्टर-63, सूरजपुर, इकोटेक-3, सेक्टर-142 और बादलपुर के थाना प्रभारी तथा संबंधित चौकी प्रभारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की कानून-व्यवस्था, अपराध की स्थिति और पुलिस की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। डीसीपी ने निर्देश दिए कि आगामी त्योहारों के दौरान प्रमुख धार्मिक स्थलों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए।

संवेदनशील इलाकों में पुलिस की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ पैदल गश्त और पेट्रोलिंग बढ़ाने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करने और स्थानीय लोगों से संपर्क बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली पोस्ट, संदेशों और अन्य गतिविधियों की सतत निगरानी करने को कहा गया, ताकि किसी भी भ्रामक सूचना या आपत्तिजनक सामग्री के कारण क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न न हो। पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसी भी अप्रिय घटना की आशंका होने पर समय रहते प्रभावी निवारक कार्रवाई की जाए। समीक्षा बैठक के दौरान अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के निस्तारण को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई।

डीसीपी ने प्रत्येक थाना और चौकी की कार्यप्रणाली का चौकीवार मूल्यांकन करते हुए अधिकारियों को अपराधों का शीघ्र खुलासा करने के निर्देश दिए। वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी में तेजी लाने, संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की नियमित जांच करने तथा रात के समय गश्त को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर अपराधियों पर नजर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कैप्टन स्मित सम्मानित : दुबई के राष्ट्रपति ने गले लगाकर किया सलाम, विमान में बचाई थी 180 लोगों की जान

अबू धाबी (एजेंसी)

संयुक्त अरब अमीरात ने फ्लाईदुबई के कैप्टन स्मित मच्छार और फ्लाइट स्र्1073 के क्रू को उनके साहस और यात्रियों की जान बचाने के लिए सम्मानित किया है। UAE के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने उन्हें 'फर्स्ट-क्लास ऑर्डर ऑफ जायद II' से नवाजा। मंगलवार को राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद ने क्रू सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद रहे।

दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने क्रू को यह सम्मान प्रदान किया। यूएई के नेतृत्व ने मुश्किल हालात में यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए सभी की सराहना की। यह घटना 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट स्र्1073 में हुई थी। उड़ान के दौरान कॉकपिट में गंभीर घटना हुई, जिसके बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक की ओर मोड़ना पड़ा। इस दौरान कैप्टन स्मित मच्छार घायल हो गए। हालात इतने खराब हो गए थे कि विमान की सुरक्षा पर खतरा मंडराने लगा था। कैप्टन मच्छार ने यूएई के अखबार 'द नेशनल' को दिए इंटरव्यू में बताया कि कॉकपिट का दरवाजा खोलने से पहले ही को-पायलट ने उन पर कई बार हमला कर दिया था।

शुरुआत में उन्हें लगा कि विमान का कोई हिस्सा टूटकर उनके सिर पर गिरा है। लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि हमला उनकी ही टीम के एक सदस्य ने किया है। उन्होंने बताया कि लगातार हमलों के कारण उनकी नजर कमजोर पड़ने लगी थी। उन्हें चीजें साफ दिखाई नहीं दे रही थीं और वह सिर्फ धुंधली आकृतियां देख पा रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने खुद को सीट बेल्ट से छुड़ाया और हमलों से बचने की कोशिश की। कैप्टन मच्छार ने बताया कि हमले के बीच उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलने वाले

हैंडल तक पहुंचने की कोशिश की और अपने साथियों को आवाज दी। इसी दौरान वह बेहोश होकर कॉकपिट में गिर पड़े। उनकी हालत गंभीर थी, लेकिन कॉकपिट तक पहुंचने और दरवाजा खोलने की उनकी कोशिश आगे की कार्रवाई में अहम साबित हुई। कैप्टन मच्छार के मुताबिक, घटना के दौरान विमान करीब 17,000 फीट नीचे गिर गया था। उस वक्त सबसे डरावना पल वह था, जब उन्होंने विमान के इंजन बंद होने की आवाज सुनी और उसे महसूस किया।

ऐसे हालात में विमान को सुरक्षित संभालना बेहद मुश्किल था। फिर भी क्रू ने हिम्मत नहीं छोड़ी और स्थिति को काबू में करने की कोशिश जारी रखी। कैप्टन मच्छार कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे, जिसके बाद दूसरे क्रू सदस्यों और यात्रियों ने अंदर पहुंचकर को-पायलट को काबू कर लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, को-पायलट ने कैप्टन पर कुल्हाड़ी से हमला किया था और विमान को गिराने की कोशिश की थी। इसके बाद विमान के अपहरण से जुड़ा आपातकालीन संकेत भेजा गया और फ्लाइट को सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इस घटना के बाद

इस्त्राइल भी करेगा कैप्टन के साहस का सम्मान

इस घटना के बाद इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने भी कैप्टन मच्छार को 'नागरिक वीरता' के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार देने की घोषणा की है। यूएई और इजरायल, दोनों देशों की ओर से मिलने वाला यह सम्मान उस साहस और जिम्मेदारी की पहचान है, जिसने एक बेहद खतरनाक स्थिति में लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई

विमान को सुरक्षित तबुक में उतार लिया गया। विमान में सवार यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रिपोर्ट में कुल 180 लोगों के सुरक्षित बचने की बात कही गई है। इस घटना ने एक बार फिर दिखाया कि संकट के समय विमान के क्रू की सूझबूझ और हिम्मत कितनी अहम होती है। इतनी खतरनाक घटना से गुजरने के बाद भी कैप्टन मच्छार का विमानन के प्रति भरोसा कम नहीं हुआ।

'द नेशनल' से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस घटना से हवाई उड़ानों के प्रति उनका प्यार खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'क्या विमानन के लिए मेरा प्यार खत्म हो गया? बिल्कुल नहीं। बिल्कुल भी नहीं। मुझे बस इस बात की खुशी है कि मैं अपना फर्ज निभा पाया। कैप्टन मच्छार के इलाज के दौरान दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने कैप्टन के साहस, जिम्मेदारी और इंसानी जान बचाने के जज्बे की तारीफ की।

इजरायल चुनाव में नेतन्याहू समर्थक खेमे को बढ़त : ट्रंप ने थपथपाई अपनी पीठ, की 'माहौल बदल देने वाली बात'

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन में किए प्रचार से हुए फायदे का जिक्र किया है। उनकी बढ़त से उत्साहित ट्रंप ने दावा किया कि उनके एक ऐलान से इजरायली नेता की चुनावी स्थिति में सुधार हुआ। इजरायल नेसेट चुनाव की मतगणना के शुरुआती आंकड़ों में नेतन्याहू के समर्थक खेमे को 57 सीटों पर बढ़त मिली है, जबकि उनके विरोधी खेमे को 47 सीटें मिली हैं। ट्रंप ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा की।

दावा किया कि नेतन्याहू के समर्थन में अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के बाद चुनावी माहौल बदल गया। पहले निर्णायक हार की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन अब मुकाबला बराबरी का हो गया है या वह जीत भी सकते हैं। इर्विंग सी. श्वार्ट्ज को कोट (हवाले से) करते हुए अपनी पीठ थपथपाई। लिखा, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने बीबी नेतन्याहू का समर्थन किया, तो पूरी स्थिति ही बदल गई। अब, एक महान प्रधानमंत्री की करारी हार के बजाय, ऐसा लग रहा है कि नेतन्याहू ने बराबरी की स्थिति हासिल कर ली है, या शायद यह उनके लिए एक जीत ही है! यह सब राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन के बाद हुआ, जो केवल मध्य पूर्व, इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका के भले के लिए काम करना चाहते हैं! इजरायल के केंद्रीय चुनाव आयोग के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, सुबह 5.58 बजे तक 41.9 प्रतिशत मतपेटियों की गिनती पूरी हो चुकी थी। इन आंकड़ों में नेतन्याहू समर्थक खेमे को 57 सीटें और उनके विरोधी खेमे को 47 सीटें मिलीं। मुख्य रूप से अरब दलों वाले जॉइंट लिस्ट और राम गुटों के खाते में संयुक्त रूप से 16 सीटें थीं। ये आंकड़े शुरुआती हैं और मतगणना आगे बढ़ने के साथ इनमें बदलाव हो सकता है।

इजरायल चुनाव : एग्जिट पोल में किसी भी खेमे को स्पष्ट बहुमत नहीं

तेल अवीव (एजेंसी)

इजरायल के संसदीय चुनाव में किसी को भी स्पष्ट बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है। एग्जिट पोल के अनुसार, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का गुट और विपक्षी गठबंधन, दोनों ही 120 सदस्यीय 'नेसेट' (संसद) में बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए हैं। इजरायल के सार्वजनिक प्रसारक कान के ताजा एग्जिट पोल ने भी सरकार गठन को लेकर तस्वीर साफ नहीं की है।

कान के अनुमान के मुताबिक, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाले गठबंधन और विपक्षी खेमे को 120 सदस्यीय संसद में 51-51 सीटें मिल सकती हैं। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को 27 सीटें मिलने का अनुमान है, जो पिछले अनुमान से दो अधिक

हैं। वहीं, गादी आइजेनकोट की 'याशर' पार्टी को 21 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है, जो पहले के अनुमान से एक कम है। इससे पहले चैनल 13 के अपडेटेड एग्जिट पोल में भी नेतन्याहू के गठबंधन और विपक्षी खेमे को 51-51 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था। चैनल 13 के मुताबिक, फिलिस्तीनी-अरब इजरायली दलों को कुल 18 सीटें मिल सकती हैं। इन अनुमानों के अनुसार, किसी भी खेमे के लिए 61 सीटों का बहुमत हासिल करना आसान नहीं होगा। परिणामों से पता चलता है कि इजरायली मतदाताओं के एक वर्ग के बीच उनके नेतृत्व का व्यापक विरोध होने के बावजूद, नेतन्याहू को लिकुड पार्टी के समर्थकों के एक बड़े हिस्से का समर्थन मिलना जारी रहा।

फिर भी, सीटों के अनुमानित बंटवारे से संकेत मिलता है कि विपक्ष की संयुक्त ताकत और छोटी पार्टियों के संभावित प्रभाव के कारण, उनके लिए एक और गठबंधन सरकार बनाना मुश्किल हो सकता है। इस चुनाव में मतदाताओं की ऐतिहासिक भागीदारी देखी गई और कुछ लोगों ने इसे इजरायल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण चुनावों में से एक बताया। इसमें इजरायली अरब मतदाताओं की रिकॉर्ड भागीदारी भी देखने को मिली, जिसने चुनावी मुकाबले में एक नया और अहम पहलू जोड़ दिया।

यूएन महासभा को क्यूबा के विदेश मंत्री ने किया बाधित, अमेरिकी प्रतिनिधि से हुई तीखी बहस

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिका और क्यूबा के बीच लंबे समय से जारी तनाव मंगलवार को तीखी जुबानी भिड़ंत में बदल गया। अमेरिकी प्रतिनिधि माइक वॉल्ट्ज और क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज पारिला के बीच जबरदस्त बहस हुई, जब महासभा में क्यूबा पर अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों पर चर्चा चल रही थी।

असेंबली अध्यक्ष खलीलुर रहमान ने शांति बनाए रखने की अपील की, क्यूबाई प्रतिनिधियों से अपनी सीटों पर वापस जाने और मंगलवार को वाल्ट्ज को अपनी बात रखने देने को कहा, और कुछ देर के लिए बैठक स्थगित कर दी। जब

वाल्ट्ज हवाना सरकार की आलोचना कर रहे थे, तो क्यूबाई प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मेजें थपथपाईं और शोर मचाना शुरू कर दिया। वे अपनी सीटों से उठे और मंच की ओर बढ़ गए। वॉल्ट्ज ने अपने संबोधन में क्यूबा की सरकार पर भ्रष्टाचार और आम नागरिकों की कीमत पर सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने क्यूबा के नेतृत्व की कथित संपत्ति और विलासितापूर्ण जीवनशैली का जिक्र करते हुए सदस्य देशों से अमेरिकी प्रतिबंधों की निंदा करने वाले प्रस्ताव का समर्थन नहीं करने की अपील की। इस दौरान रोड्रिगेज ने वाल्ट्ज की बात में बार-बार रुकावट डाली और 'पॉइंट ऑफ ऑर्डर' पर बोलने की मांग की। इसके बाद दोनों एक-दूसरे को घूरने लगे। वाल्ट्ज मंच से बोल रहे थे, जबकि रोड्रिगेज और उनके साथी मंच के नीचे सामने की तरफ मौजूद थे।

रहमान ने 'पॉइंट ऑफ ऑर्डर' उठाते हुए आग्रह किया, कृपया कामकाज को सुचारू रूप से चलाने में मेरी मदद करें, और आपको यह अधिकार मिल जाएगा। वाल्ट्ज ने रोड्रिग्ज पर चिल्लाते हुए कहा, पीछे हट जाओ! यह हवाना नहीं है। इस बीच, रहमान ने कहा, 'कृपया बैठ जाइए। बैठ जाइए,' और फिर बैठक को स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा, मैं यहां प्रक्रिया के नियमों को निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से लागू करने के लिए हूं। कुछ ही मिनटों में जब बैठक फिर से शुरू हुई, तो रोड्रिगेज ने 'पॉइंट ऑफ ऑर्डर' उठाया। असल में यह एक जवाब था, जिसमें उन्होंने कहा कि वाल्ट्ज सरासर झूठ बोल रहे हैं' और 'क्यूबा की जनता तथा सरकार की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं।

इस दौरान क्यूबा के प्रतिनिधिमंडल ने उनके संबोधन का विरोध किया और मेज थपथपाकर आपत्ति जताई। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई, जब विदेश मंत्री रोड्रिगेज वॉल्ट्ज के मंच के करीब पहुंचे और उन्हें झूठा करार दिया। इस पर अमेरिकी राजदूत ने उन्हें पीछे हटने को कहा।

ओडिशा : अंगुल में ड्रम में छिपाकर जमीन में गाड़ा था 90 किलो गांजा, 2 तस्कर गिरफ्तार

अंगुल (एजेंसी)

ओडिशा के अंगुल जिले के बगड़िया थाना क्षेत्र के नुआगांव गांव में पुलिस ने छापेमारी कर गांजा तस्करी का भंडाफोड़ किया है। तस्करों ने गांजे को पॉलीथीन में पैक कर ड्रम के अंदर भरकर जमीन में गाड़ रखा था। कार्रवाई के दौरान 90 किलो गांजा बरामद किया गया और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। आबकारी अधीक्षक मधुस्मिता नायक के निर्देश पर यह छापेमारी की गई। विभाग को खुफिया जानकारी मिली थी कि बाहर से गांजा लाकर नुआगांव में स्टोर किया जा रहा है और फिर यहां से अलग-अलग इलाकों में अवैध बिक्री के लिए भेजा जाता है। इसी इनपुट के आधार पर आबकारी टीम ने नुआगांव में सर्च ऑपरेशन चलाया। जांच के दौरान टीम ने देखा कि आरोपियों ने जमीन खोदकर उसमें ड्रम गाड़ रखे थे और उन्हीं ड्रमों में गांजा छिपाया गया था, ताकि किसी को शक न हो। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लिपुन नायक और टुकुना नायक के रूप में हुई है और दोनों नुआगांव के ही रहने वाले हैं। आबकारी विभाग के अनुसार, लिपुन नायक के पास से 82 किलो गांजा और 2.30 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। वहीं, टुकुना नायक के पास से 8 किलो गांजा और एक मोटरसाइकिल जब्त की गई है। बरामद गांजे की बाजार में कीमत लगभग 9 लाख रुपये आंकी गई है। विभाग का मानना है कि यह रैकेट लंबे समय से सक्रिय था और आसपास के जिलों में भी गांजे की सप्लाई करता था। अधिकारियों ने बताया कि लिपुन नायक पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में शामिल रहा है। वह पहले भी मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में पकड़ा जा चुका है। इस मामले में आबकारी विभाग ने दो अलग-अलग केस दर्ज किए हैं और गांजा तस्करी के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। आबकारी विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि गांजा कहां से लाया गया था और इसके पीछे कौन सा बड़ा गिरोह काम कर रहा है।

किसानों की समृद्धि और आय बढ़ाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

ओपन सर्च. संवाददाता

रायपुर। किसानों की समृद्धि और उनकी आय बढ़ाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का आधार खेती-किसानी है। अन्नदाता किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, खेती की लागत कम हो और सिंचाई सहित सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हों, इसके लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित सर्किट हाउस में श्रद्धेय मनहरण लाल पाण्डेय की जयंती के अवसर पर आयोजित 'उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान समारोह' को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रगतिशील

किसानों को उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान से सम्मानित किया और कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लगभग 80 प्रतिशत जनता प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कृषि कार्य से जुड़ी हुई है।

इसलिए किसानों की खुशहाली से ही गांव और प्रदेश की खुशहाली का मार्ग प्रशस्त होगा। हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के संकल्प के साथ लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस वर्ष 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ हो रही है। राज्य सरकार ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धान खरीदी व्यवस्था को और सुगम बनाने के लिए 360 नए धान खरीदी केंद्र खोलने का निर्णय लिया है।

नए केंद्र खुलने से किसानों को धान बेचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी और खरीदी केंद्रों पर दबाव भी कम होगा। इससे किसानों के समय और श्रम की बचत होगी तथा धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र किसान सुविधाजनक तरीके से अपनी उपज बेच सके। मुख्यमंत्री साय ने समारोह में प्रदेशभर से आए प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते हुए कहा कि हमारे किसान परंपरागत खेती के साथ नई तकनीक और नवाचारों को अपनाकर कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। ऐसे किसानों का सम्मान अन्य किसानों को भी बेहतर और उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री साय ने श्रद्धेय मनहरण लाल पाण्डेय का पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पाण्डेय का संपूर्ण जीवन जनसेवा को समर्पित रहा।

उमेश पाटिल बने एनसीपी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता, जीशान सिद्दीकी बने मुंबई इकाई के क्षेत्रीय अध्यक्ष

मुंबई (एजेंसी)

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में एक बड़ा संगठनात्मक बदलाव किया गया है। उमेश पाटिल को पार्टी का राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया गया है जबकि पार्टी एमएलसी जीशान सिद्दीकी को मुंबई क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

जीशान सिद्दीकी जो 2024 के विधानसभा चुनाव में बांद्रा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से हार गए थे, दिवंगत वरिष्ठ राजनेता बाबा सिद्दीकी के बेटे हैं। एनसीपी नेतृत्व ने पूरा भरोसा जताया है कि जीशान सिद्दीकी के मार्गदर्शन, ऊर्जा और समर्पण से मुंबई में पार्टी संगठन काफी मजबूत, अधिक प्रभावी और पूरी तरह से जन-केंद्रित बनेगा। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा अजित पवार ने इस संबंध में नियुक्ति पत्र जारी किया है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि अजित पवार के विचारों और आदर्शों की विरासत, उनकी जनसेवा की परंपरा और आम लोगों के प्रति प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से उमेश पाटिल को यह जिम्मेदारी दी जा रही है। सुनेत्रा पवार ने उम्मीद जताई है कि उमेश पाटिल पूरी निष्ठा, उत्साह और समर्पण के साथ पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने अपनी शुभकामनाएं भी दी हैं। बता दें कि सुनेत्रा पवार 31 जनवरी 2026 को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बनीं। उनके पति और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार का 28 जनवरी को विमान हादसे में निधन हो गया था। अजीत पवार के निधन के बाद खाली हुए पद और राजनीतिक निरंतरता को बनाए रखने के लिए 31 जनवरी को एनसीपी विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में सुनेत्रा पवार को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया।

चेरानल्लूर कार दुर्घटना मामले को लेकर हुए विवाद के बाद कोच्चि पुलिस कमिश्नर को हटाया गया

कोच्चि (एजेंसी)

केरल सरकार ने बुधवार को कोच्चि सिटी पुलिस कमिश्नर कालीराज महेश को उनके पद से हटा दिया। यह कदम एक सड़क दुर्घटना को संभालने के तरीके को लेकर हुए विवाद के बाद उठाया गया है, जिसमें एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश का 17 वर्षीय बेटा शामिल था। आर. निशंतिनी कोच्चि सिटी पुलिस कमिश्नर के रूप में महेश की जगह लेंगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब इस मामले में पुलिस की कथित लापरवाही को लेकर आलोचना बढ़ रही है और जवाबदेही की मांग की जा रही है। मंगलवार शाम को सरकार ने चेरानल्लूर पुलिस स्टेशन के चार पुलिसकर्मियों को इस मामले को संभालने में कथित लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया। इनमें सर्कल इंस्पेक्टर के.एस. श्याम कुमार, स्टेशन हाउस ऑफिसर वी.एस. विश्वजीत, ग्रेड असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर के.टी. मनोज और सीनियर

सिविल पुलिस ऑफिसर अरुण जोशी शामिल हैं। यह निलंबन एडीजीपी पी. विजयन की प्रारंभिक जांच के बाद हुआ है। उन्होंने दुर्घटना स्थल का दौरा किया, पुलिस रिकॉर्ड की जांच की और पीड़ित के परिवार से मुलाकात की।

गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने विधानसभा में आश्वासन दिया था कि दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह मामला 55 वर्षीय जयाबालकृष्णन की मौत से जुड़ा है। रविवार सुबह चेरानल्लूर के कंटेनर रोड पर जब जयाबालकृष्णन स्कूटर से जा रहे थे, तब एक मर्सिडीज-बेंज कार ने उन्हें टक्कर मार दी थी। बताया जा रहा है कि कार एक किशोर चला रहा था। मृतक जयाबालकृष्णन सड़क किनारे खाने-पीने की एक दुकान चलाते थे। इस मामले को जिस तरह से संभाला गया, उसे लेकर विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए। शुरुआत में किशोर पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और लापरवाही के कारण मौत का कारण बनने से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था और बाद में उसे थाने से ही जमानत पर छोड़ दिया गया। बाद में मामले को और मजबूत किया गया और लड़के के पिता को भी आरोपी बनाया गया। इस बीच, मंगलवार रात पुलिस की एक टीम ने अलुवा में जज के फ्लैट पर जाकर जांच-पड़ताल की। जांचकर्ताओं ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली और जांच के हिस्से के तौर पर सबूत जुटाए। पीड़ित परिवार ने आगे की कार्रवाई के लिए हाई कोर्ट जाने का फैसला किया है। इस मामले की जांच अब क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है।

उज्जैन : राम नाम के बेलपत्र और चंदन से सजे बाबा महाकाल, भस्म आरती में गूंजे जय श्री महाकाल के जयकारे

उज्जैन (एजेंसी)

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में कार्तिक कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि बुधवार की सुबह 4 बजे हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन-अभिषेक कर आकर्षक श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल को भस्म रमाई गई। इस दौरान भक्तों ने इन दिव्य दर्शनों का लाभ लिया और जय श्री महाकाल के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया।

इस दौरान भस्म आरती के लिए सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत को अर्पित कर किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि

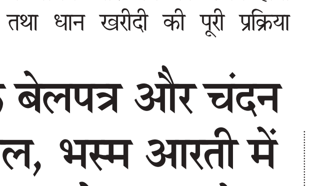

ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंड माला धारण करवाई गई। बुधवार के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि बाबा महाकाल का चंदन और राम नाम के बेलपत्र से श्रृंगार किया गया।

इस दौरान बाबा महाकाल को रजत मुकुट भी पहनाया गया। बाबा महाकाल की भस्म आरती में बड़ी संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और बाबा महाकाल की भक्ति में लीन होकर जय श्री महाकाल का उद्घोष करने लगे। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार स्वरूप में दर्शन देते हैं।

पंजाब : कानून-व्यवस्था पर हरभजन ने जताई चिंता, सरकार से पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग

चंडीगढ़ (एजेंसी)

राज्यसभा सदस्य और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने पंजाब की बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब में जो हो रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। हरभजन सिंह ने लिखा, 'पंजाब में जो हो रहा है उसे देखकर गहरी चिंता हो रही है। बार-बार हो रही घटनाएं अहम सवाल खड़े करती हैं, जिनका जवाब पंजाब सरकार को गंभीरता और तत्परता से देना चाहिए। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को जनता के प्रति पारदर्शी और जवाबदेह होना चाहिए। पंजाब सरकार का कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों की रक्षा करे और पुलिस को कानून का पालन करते हुए सार्वजनिक सुरक्षा और हर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। पंजाब के लोग शांति, गरिमा और न्याय के हकदार हैं। आइए हमारे पंजाब के भविष्य की रक्षा के लिए एकजुट हों।' बता दें कि इन दिनों

पंजाब में कानून-व्यवस्था और ड्रग्स के मुद्दे को लेकर सियासत तेज है। यह मुद्दा बेहद संवेदनशील और चर्चा का केंद्र बना हुआ है। हाल ही में मानसा जिले में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े हत्या ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इसके अलावा दिरबा में एक पिता द्वारा जहर खाकर आत्महत्या करने जैसी घटना के बाद भी हालात पर सवाल उठे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि राज्य आज नशे, गैंगस्टरवाद और संगठित अपराध के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। इसी बीच अमृतसर में श्री अकाल तख्त साहिब के हेड ग्रंथी ज्ञानी गुरमुख सिंह ने भी नशे के बढ़ते खतरे पर चिंता जताई है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'पंजाब में नशाखोरी की लहर को रोकने के लिए सरकार या मौजूदा शासकों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि जो लोग गुरु के प्रति प्रेम और सम्मान से भरे हैं और नशे के खतरे को रोकने के लिए आगे आते हैं, उनकी खुलेआम हत्या की जा रही है। इस स्थिति को देखते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, श्री हरमंदिर साहिब के पूरे प्रबंधन और धर्म प्रचार कमेटी के साथ आज श्री अकाल तख्त साहिब में अरदास करने के लिए इकट्ठा हुई है।'

ICC रैंकिंग : दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने अभिषेक

दुबई (एजेंसी)

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 में धमाकेदार शतकीय पारी खेलने का इनाम भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में मिला है। अभिषेक दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक ने ईशान किशन को पीछे छोड़ते हुए नंबर एक की पोजीशन हासिल की है। वहीं, साउथ अफ्रीका के मार्को जानसेन टेस्ट क्रिकेट में विश्व के नंबर एक गेंदबाज और ऑलराउंडर बन गए हैं।

गकेबेरहा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका की जीत में शानदार प्रदर्शन करने के बाद, जानसेन ने अपने करियर में पहली बार इन दोनों श्रेणियों में टॉप रैंकिंग हासिल की है। इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 85 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 5 विकेट लेकर मैच का रुख ही बदल दिया था। 26 वर्षीय जानसेन टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में 13 स्थान की छलांग लगाकर 56वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में वह 5 स्थान ऊपर चढ़कर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ते हुए टॉप पर आ गए हैं, और टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में एक स्थान ऊपर उठकर भारत के रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ते हुए नंबर वन बन गए हैं। जडेजा पिछले 4 साल से भी ज्यादा समय तक टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में टॉप पर बने हुए थे। जानसेन ने यह छलांग ऐसे समय में लगाई है, जब साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने हाल ही में उन्हें 'दुनिया का सबसे बेहतरीन क्रिकेटर' बताया था। वहीं, मंगलवार को वेलिंगटन में सीरीज के तीसरे मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ तूफानी शतक लगाने के बाद अभिषेक टी20 बैटिंग रैंकिंग में फिर से टॉप पर आ गए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 35 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और कुल 38 गेंदों में 113 रन बनाए। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की और सीरीज अपने नाम कर ली।

उनकी इस पारी ने उन्हें अपने साथी खिलाड़ी ईशान किशन को पीछे छोड़कर टॉप स्थान पर पहुंचने में मदद की। इससे पहले, इस साल जुलाई में आयरलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद ईशान किशन ने अभिषेक से नंबर एक की पोजीशन छीन ली थी। अभिषेक पहली बार जुलाई 2025 में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पीछे छोड़कर टी20 इंटरनेशनल बैटिंग रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे थे। साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को ताजा रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने जाने के बाद वह टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे नंबर पर आ गए हैं। बावुमा ने पहली पारी में 179 रन बनाए थे, जिससे साउथ अफ्रीका दूसरे टेस्ट को जीतकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर करने में सफल रही। रैंकिंग में उनसे आगे अब केवल इंग्लैंड के हैरी ब्रूक हैं।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर आ गए हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में 15 स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारत के संजू सैमसन टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में छह स्थान ऊपर चढ़कर 20वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के फिन एलन तीन स्थान की बढ़त के साथ 25वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर सात स्थान की छलांग के साथ सातवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि भारत के अर्शदीप सिंह छह स्थान की बढ़त के साथ 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच चल रही ट्राई-सीरीज के कारण वनडे रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिले हैं।

इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक को वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर आ गए हैं, जबकि अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई 13 स्थान की छलांग लगाकर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। नामीबिया के स्पिनर बर्नार्ड शोल्ट्ज नौ स्थान ऊपर चढ़कर आठवें नंबर पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद नबी भी वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में पांच स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

अभिषेक ने वैभव की बल्लेबाजी को सराहा, बोले- 'भाग मिल्खा भाग' के डायलॉग को सही साबित करके दिखाया

भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से पहले नेट सेशन के दौरान बॉलीवुड फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' का एक मशहूर डायलॉग दोहराया था। इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और भारत को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने अभिषेक से कहा कि वह फिल्म के मशहूर डायलॉग - 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' - से प्रेरित होकर बिल्कुल निडर होकर बल्लेबाजी करेंगे। 15 साल के वैभव ने अपनी बात को सच साबित करते हुए सिर्फ 19 गेंदों पर 45 रनों की आक्रामक पारी खेली। इससे अभिषेक को भी खुलकर खेलने का मौका मिला और उन्होंने 38 गेंदों पर शानदार 113 रन बनाए। भारत ने न्यूजीलैंड के 199 रनों के लक्ष्य को महज 13.2 ओवर में हासिल कर लिया और मंगलवार को हेनरी स्टेडियम में तीसरा टी20 6 विकेट से जीता। मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में अभिषेक ने सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत को याद किया और इस युवा खिलाड़ी की आक्रामक सोच की तारीफ की।

अभिषेक ने कहा, 'कल नेट्स में वैभव ने मुझसे कहा था कि वह 'भाग मिल्खा भाग' फिल्म के डायलॉग 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' की तरह ही बल्लेबाजी करेंगे।' बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने यह भी बताया कि कैसे ओपनिंग ओवर में सूर्यवंशी के निडर रवैये ने दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज का आत्मविश्वास बढ़ाया, खासकर तब जब वह न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज का सामना कर रहे थे। अभिषेक ने कहा, जब टीम 190-200 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही होती है और सामने विपक्ष का मुख्य तेज गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा हो, तब ओपनर को आक्रामक खेल दिखाना पड़ता है। मैं दूसरे छोर पर था और मैंने वैभव को बल्लेबाजी करते देखा। इससे नॉन-स्ट्राइकर बल्लेबाज का जोश बढ़ जाता है। मैं खास तौर पर वैभव की तारीफ करना चाहूंगा। इस मुकाबले में उन्होंने जो प्रदर्शन किया, वह टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। इस जीत का काफी श्रेय उन्हें जाता है। ओपनिंग जोड़ी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाई। पावरप्ले में भारत ने बिना कोई विकेट खोए 118 रन बनाए, जो पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में पहले छह ओवरों में किसी भी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने सिर्फ 2.2 ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए, जो इस फॉर्मेट में सबसे तेज टीम फिफ्टी की बराबरी है। इसके बाद पांच ओवर में ही टीम 100 रन के पार पहुंच गई। अभिषेक ने टीम की निस्वार्थ सोच की भी तारीफ की। उन्होंने संजू सैमसन का उदाहरण दिया, जो पिछली दो पारियों में ओपनिंग करने के बाद, इस बार अपनी भूमिका बदलने के लिए तैयार हो गए। अभिषेक ने कहा, एक और बात। संजू सैमसन इससे पहले ओपनिंग कर रहे थे। इससे पता चलता है कि हर कोई निस्वार्थ भाव से खेल रहा है। इस मुकाबले में टीम ने जिस तरह का माहौल दिखाया, उससे सभी के लिए चीजें आसान हो गई होंगी। मुझे लगता है कि संजू ने नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने का अपना जज्बा दिखाया। अभिषेक ने भारतीय गेंदबाजों की भी तारीफ की।

एशियन पैरा गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज यादव ने किया सुसाइड

नई दिल्ली (एजेंसी)

तीन बार के एशियन पैरा गेम्स जैवलिन थ्रो चैंपियन नीरज यादव ने मंगलवार को अपने फ्लैट पर सुसाइड कर लिया। नेशनल चीफ पैरा-एथलेटिक्स कोच एस. सत्यनारायण ने इस बात की पुष्टि की। सत्यनारायण ने बुधवार को बताया, 'नीरज ने अपने फ्लैट पर सुसाइड कर लिया है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है।

इस कदम के पीछे का कारण अभी पता नहीं चला है।' उत्तर प्रदेश के रहने वाले नीरज भारत के जाने-माने पैरा-एथलीटों में से एक थे। उन्होंने लगभग सात साल तक व्हीलचेयर टेनिस खेलने के बाद 2015 में अपना एथलेटिक्स करियर शुरू किया था। उन्होंने 2016 में फाजा ग्रैंड प्रिक्स में पुरुषों के शॉट पुट और डिस्कस एफ55 इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। 2018 एशियन पैरा गेम्स में, उन्होंने 29.84 मीटर के एशियन रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता था। नीरज ने अक्टूबर 2023 में चीन के हांगझोऊ में 2023 में हुए एशियन पैरा गेम्स में दो गोल्ड मेडल जीते, जिसमें उन्होंने एफ54/55/56 क्लास में डिस्कस थ्रो में गोल्ड जीता और पुरुषों की एफ55 कैटेगरी में जैवलिन में गोल्ड मेडल जीता। 2022 में, उन्होंने मोरक्को में माराकेच पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स में एक नए इंडियन नेशनल रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता। नीरज को 7 साल की उम्र में पोलियो का पता चला था। इसके बाद से व्हीलचेयर के सहारे उन्होंने खेल के क्षेत्र में ऊंचाई हासिल की। उन्होंने लगभग सात साल तक व्हीलचेयर टेनिस खेलने के बाद 2015 में अपना एथलेटिक्स करियर शुरू किया। जल्द ही वह इंडियन स्क्वॉड में शामिल हो गए।

विजेंदर सिंह बर्थडे : ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज, राजनीति में भी जड़ा 'पंच'

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश के स्टार मुक्केबाज विजेंदर सिंह आज अपना 41वां जन्मदिन मनाएंगे। अपने जोरदार पंच से दुनियाभर के मुक्केबाजों को परेशान करने वाले विजेंदर ने सिनेमा और राजनीति के क्षेत्र में भी हाथ आजमाया है। विजेंदर सिंह का पूरा नाम विजेंदर सिंह बेनीवाल है। उनका जन्म 29 अक्टूबर 1985 को हरियाणा के कालुवास गांव में हुआ था।

उनके पिता महिपाल सिंह बेनीवाल हरियाणा रोडवेज में बस ड्राइवर थे, जबकि उनकी मां गृहिणी हैं। विजेंदर का परिवार आर्थिक रूप से संपन्न नहीं था। परिवार को आर्थिक संपन्नता दिलाने के लिए उन्होंने मुक्केबाजी के क्षेत्र में करियर बनाने का फैसला किया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। विजेंदर को अपने बड़े भाई मनोज, जो खुद एक मुक्केबाज रहे थे, से इस खेल की

प्रेरणा मिली थी। 1998 में बॉक्सिंग की बदौलत मनोज ने इंडियन आर्मी में नौकरी हासिल की और उसके बाद विजेंदर को आर्थिक रूप से सहयोग करने का फैसला किया। विजेंदर हैं स्नातक हैं, लेकिन उनके माता-पिता ने कभी उन पर पढ़ाई का दबाव नहीं बनाया। उन्हें लगा कि विजेंदर में प्रतिभा और पैशन है। उन्होंने भिवानी बॉक्सिंग क्लब में प्रशिक्षण लिया, जहां पूर्व राष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाज और प्रशिक्षक जगदीश सिंह ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। विजेंदर ने 1997 में अपने पहले सब-जूनियर नेशनल में रजत पदक जीता और 2000 के नेशनल्स में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता।

2003 में, वे अखिल भारतीय युवा मुक्केबाजी चैंपियन बने। इस सफलता ने एक मुक्केबाज के तौर पर उनके सुनहरे करियर की शुरुआत कर दी। विजेंदर ने 2004 के एथेंस समर ओलंपिक्स में हिस्सा लिया था, लेकिन वे तुर्की के मुस्तफा करागोलू से 20-25 के स्कोर से हार गए थे। 2008 में बीजिंग ओलंपिक में मुक्केबाजी में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता और ओलंपिक में इस खेल में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके बाद उन्होंने 2009 वर्ल्ड चैंपियनशिप और 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल और 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल भी जीता। जून 2015 में, विजेंदर सिंह प्रोफेशनल बन गए। इस वजह से वह रियो ओलंपिक 2016 का हिस्सा नहीं बन सके। प्रोफेशनल के तौर पर उन्हें बड़ी सफलता मिली है।

2008 ओलंपिक की सफलता ने विजेंदर को बड़ी लोकप्रियता दी थी। इसका फायदा उन्हें फिल्म और विज्ञापन जगत में मिला। वे बड़े पर्दे नजर आए। 2014 में उनकी फिल्म फुगली और 2023 में किसी का भाई किसी का जान रिलीज हुई थी। खेल और फिल्म के बाद विजेंदर राजनीति के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं।

स्टेन वावरिंका ने टेनिस को 'अलविदा' कहा, 3 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे

बेसल (एजेंसी)

स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। 41 साल के इस दिग्गज ने घरेलू टूर्नामेंट, स्विस इंडोर्स बेसल में जिरी लेहेका से हार के बाद टेनिस को गुड बाय कहा। स्टेन वावरिंका एक हाथ के बैकहैंड के लिए मशहूर रहे। उनके नाम तीन ग्रैंड स्लैम सिंगल खिताब, ओलंपिक गोल्ड और डेविस कप खिताब है। उन्होंने 590 टूर-लेवल जीत हासिल कीं।

वावरिंका 2014 में एटीपी रैंकिंग में करियर के सबसे ऊंचे नंबर 3 पर पहुंचे और 16 टूर-लेवल टाइटल हासिल किए। वावरिंका ने अपने करियर के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब उस समय के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ियों को हराकर जीता था। 2014 में वावरिंका ने स्पेन के राफेल नडाल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इसके बाद 2015 में नोवाक जोकोविच को हराकर उन्होंने फ्रेंच ओपन और

2016 में नोवाक जोकोविच को ही हराकर यूएस ओपन का खिताब जीता था। रोजर फेडरर, नडाल और जोकोविच वाले 'बिग थ्री' दौर का हिस्सा रहे वावरिंका ने अपना करियर 590 टूर-लेवल मैच जीतकर खत्म किया। 2014 में मोंटे-कार्लो में अपना अकेला एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन वावरिंका ने हमवतन और दिग्गज रोजर फेडरर को हराकर जीता था। वावरिंका ओलंपिक में अपने देश के लिए गोल्ड जीत चुके हैं। 2008 में चीन के बीजिंग में आयोजित ओलंपिक में उन्होंने पुरुष डबल्स में रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाकर गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद दोनों ने 2014 में स्विट्जरलैंड के लिए पहला डेविस कप जीता था।

खेल महाकुंभ 2026 : अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के खुश पारिख ने गोल्ड और श्रीजा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता

अहमदाबाद (एजेंसी)

अदाणी स्पोर्ट्सलाइन टेनिस एकेडमी के खिलाड़ी खुश पारिख और श्रीजा शाह ने जिला स्तर के खेल महाकुंभ 2026 में क्रमशः गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीता है। खुश ने अंडर-14 बॉयज सिंगल्स का टाइटल जीता, जबकि श्रीजा अंडर-14 गर्ल्स सिंगल्स कैटेगरी में तीसरे स्थान पर रहीं। श्रीजा 20 अप्रैल 2026 को एकेडमी में शामिल हुईं और जुलाई में गुजरात स्टेट टेनिस एसोसिएशन टूर्नामेंट में अंडर-14 और अंडर-16 गर्ल्स सिंगल्स टाइटल जीतीं।

अब उनका लक्ष्य 2027 में अंडर-14 नेशनल्स चैंपियनशिप है। उनका लक्ष्य भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करना है। खुश अगस्त 2025 में एकेडमी में शामिल हुए थे। वह हाल ही में गुजरात के भावनगर में ममता टेनिस एकेडमी में हुए ऑल

इंडिया रैंकिंग चैंपियनशिप सीरीज टेनिस टूर्नामेंट 2026 में अंडर-14 बॉयज डबल्स में रनर-अप रहे और अंडर-14 सिंगल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे। उनकी दूसरी कामयाबियों में 2025 में स्कूल गेम्स नेशनल्स के लिए क्वालीफाई करना, वडोदरा में ऑल-इंडिया टेनिस एसोसिएशन चैंपियनशिप सीरीज टूर्नामेंट में अंडर-14 डबल्स में रनर-अप रहना और गुजरात स्टेट टेनिस एसोसिएशन रैंकिंग टूर्नामेंट जीतना शामिल है। दोनों खिलाड़ी एकेडमी की कोचिंग टीम के साथ ट्रेनिंग करते हैं, जहां वे स्ट्रोक टेक्निक, फुटवर्क, शॉट प्लेसमेंट, कंसिस्टेंसी और मैच की रणनीति पर फोकस करते हैं।

खुश और श्रीजा अब अपने आने वाले कॉम्पिटिशन की तैयारी करेंगे और अपने परिणाम को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन, अदाणी ग्रुप की खेल शाखा है, जो भारत में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को तराशने और वैश्विक स्तर पर पेशेवर खेल टीमों का सहयोग और संचालन करने का काम करती है। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में गुजरात जायंट्स और यूएई की इंटरनेशनल लीग टी20 में गल्फ जायंट्स का संचालन करती है।

खेल अकादमियों के माध्यम से युवा और जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को पेशेवर कोचिंग और विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करती है। 'गर्व है' अभियान के तहत देश के प्रतिभाशाली एथलीटों और पैरा-एथलीटों को समर्थन देती है और संसाधन उपलब्ध कराती है। फिटनेस और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अहमदाबाद मैराथन जैसे कार्यक्रम का आयोजन करती है।

डब्ल्यूपीएल 2027 ऑक्शन में हम अपनी कमियां दूर करेंगे : आरसीबी हेड कोच रंगराजन

कोच्चि (एजेंसी)

डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) डब्ल्यूपीएल 2027 ऑक्शन का इस्तेमाल अपनी टीम की कमियों को खत्म करने के लिए करेगी। हेड कोच मलोलन रंगराजन ने कहा कि आरसीबी अगले सीजन में अपने खिताब को डिफेंडिंग करने और तीन खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने की कोशिश करेगी। आरसीबी अपने पर्स में 1.15 करोड़ रुपये के साथ ऑक्शन में उतरेगी और उसे पांच स्लॉट भरने होंगे।

रंगराजन ने डब्ल्यूपीएल के सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा एक वीडियो में कहा, आप देखते हैं कि आपने पिछले साल लीग में क्या अच्छा किया था, आप यह समझने की कोशिश करते हैं कि पिछले साल लीग कैसे डेवलप हुई है और आपको अपनी टीम में कमियां मिलती हैं और

आप लगातार सुधार करने की कोशिश करते हैं। इसकी प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा, डब्ल्यूपीएल का अगला सीजन जनवरी में आ रहा है और अब हम बस यही देख रहे हैं कि हम अपनी टीम को कैसे बेहतर बना सकते हैं। हमारे पास तीन चैंपियनशिप जीतने वाली पहली टीम और बैक-टू-बैक (विजेता) बनने का अवसर है। हेड कोच ने कहा कि ऑक्शन की तैयारी महीनों पहले ही कर ली गई थी। फ्रेंचाइजी के स्काउट्स और कोच वडोदरा में डब्ल्यूपीएल 2026 में जीत के बाद तुरंत बाद काम पर लग गए थे। उन्होंने कहा, आरसीबी की आईपीएल और डब्ल्यूपीएल में दो फ्रेंचाइजी हैं, इसलिए बहुत काम होता है।

हमारे पास हमारे स्काउट्स और कोच थे - उन सभी ने डब्ल्यूपीएल फाइनल के ठीक बाद हमारे खिलाड़ियों के साथ काम करना शुरू कर दिया था। आरसीबी की दावेदारी ऑस्ट्रेलियाई स्टार ऑल-राउंडर एल्सी पेरी की वापसी से और मजबूत होगी, जो पिछले सीजन में निजी कारण से नहीं खेली थीं। रंगराजन ने कहा, पेरी, हमारी टीम का बहुत जरूरी हिस्सा हैं। उन्होंने आरसीबी के लिए योगदान दिया है, चाहे हम जीतें या न जीतें।

हमारी टीम में उनकी वापसी से हमें बहुत बढ़ावा मिलेगा। हर कोई जानता है कि वह मैदान पर बैटिंग, बॉलिंग या फील्डिंग में क्या करती हैं। हेड कोच ने आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना को भारतीय टीम की पूर्णकालिक कप्तान बनने पर बधाई भी दी। उन्होंने कहा, स्मृति इसकी हकदार हैं। मुझे लगता है कि वह भारतीय क्रिकेट की बहुत कीमती सेवक रही हैं। यह आरसीबी के लिए गर्व का पल है। हमारा कोई अपना देश को लीड कर रहा है।

लाहौर वनडे : हारिस रऊफ और इंग्लैंड टीम पर लगा जुर्माना

दुबई (एजेंसी)

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ पर रविवार को लाहौर में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे के दौरान मैदान पर गलत व्यवहार के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। वहीं, इंग्लैंड पर धीमे ओवर-रेट के कारण जुर्माना लगाया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कन्फर्म किया है कि रऊफ ने प्लेयर्स और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए अपने कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया है, जो खेल की भावना के खिलाफ व्यवहार से संबंधित है। इस सजा में एक

आधिकारिक फटकार भी शामिल है। 24 महीने के समय में तीसरी बार गलती करने के कारण उनके पांच डिमेरिट पॉइंट हो गए हैं। यह घटना रविवार को लाहौर में पाकिस्तान की पारी के आखिर में 46वां ओवर पूरा होने के बाद हुई। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े राउफ ने वाइड की अपील की, जिसके बाद उनकी इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स के साथ उनकी कहासुनी हो गई। पाकिस्तान के पेसर ने बहस के दौरान अपना बल्ला उठाया और अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद की चेतावनी के बावजूद बहस करते रहे। इसके बाद वह जैक्स की तरफ बढ़ते हुए अंपायर को धक्का दे बैठे। इस बीच, इंग्लैंड पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि वे निश्चित समय पर ओवर पूरा करने से तीन ओवर पीछे रह गए थे। यह जुर्माना आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत लगाया गया है, जिसमें कहा गया है कि अगर कोई टीम न्यूनतम ओवर-रेट की जरूरत से हर ओवर कम फेंकती है, तो खिलाड़ी की मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा।

रऊफ और इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक दोनों ने एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के जेफ क्रो द्वारा लगाए गए आरोपों और सजाओं को मान लिया। उनके इस कबूलनामे का मतलब था कि फॉर्मल सुनवाई की जरूरत नहीं थी। ये आरोप ऑन-फील्ड अंपायर राशिद रियाज और शरफुद्दौला, थर्ड अंपायर वेन नाइट्स और फोर्थ अंपायर नासिर हुसैन ने लगाए थे। यह डिसिप्लिनरी कार्रवाई एक करीबी मुकाबले के बाद हुई, जिसमें पाकिस्तान को एक नाटकीय जीत मिली। इंग्लैंड के दिए 242 के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने एक विकेट से जीत हासिल की। शादाब खान ने नाबाद शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई थी।

अलवर के पंकज जैन और भाई नीरज ने खरीदी अरबियन एसेस क्रिकेट फ्रेंचाइजी

अलवर (एजेंसी)

अलवर जिले के बड़ौदा कान गांव से जुड़े पंकज जैन और उनके भाई नीरज जैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखते हुए 'अरबियन एसेस' क्रिकेट फ्रेंचाइजी खरीदी है। टीम आगामी अबू धाबी टी10 लीग में हिस्सा लेगी। दोनों भाइयों को फ्रेंचाइजी के 50 वर्षों के अधिकार मिले हैं। एक छोटे से गांव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट फ्रेंचाइजी तक पहुंचने की यह उपलब्धि क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। पंकज जैन ने बताया कि क्रिकेट के क्षेत्र में कुछ बड़ा करने का सपना वे लंबे समय

से देख रहे थे। अब भाई नीरज जैन के साथ उन्होंने इस सपने को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। टीम 7 से 20 नवंबर तक अबू धाबी में होने वाली टी10 लीग में मैदान पर उतरेगी। यह प्रतियोगिता क्रिकेट के सबसे छोटे और तेज प्रारूप टी 10 की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय लीगों में शामिल है।

अरबियन एसेस ने अपने पहले सीजन के लिए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से सजी टीम तैयार की है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली, विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन और वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर लांस क्लूजनर को टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। उनके अनुभव और आक्रामक क्रिकेट की समझ से टीम को फायदा मिलने की उम्मीद है।

दो राजघरानों की वारिस हैं अदिति राव हैदरी, बनीं भरतनाट्यम नृत्यांगना से अभिनेत्री

भारत में राजघरानों का इतिहास हमेशा से आकर्षण और गौरव का प्रतीक रहा है। शाही परिवारों में जन्म लेने वाले लोगों का जीवन अक्सर सुख-सुविधाओं, परंपराओं और प्रतिष्ठा से जुड़ा माना जाता है लेकिन कुछ ऐसे भी हुए हैं, जिन्होंने पारिवारिक विरासत से अलग अपनी पहचान पहचान बनाई है। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी उन अदाकाराओं में शुमार हैं, जिनका संबंध शाही राजघराने से रहा है। 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में जन्मी अभिनेत्री अदिति राव हैदरी त्याबजी-हैदरी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। दरअसल, अभिनेत्री दो शाही परिवारों की वंशज हैं। उनके पिता का नाम एहसान हैदरी (बोहरा मुस्लिम) था और मां का नाम विद्या राव। जब अदिति केवल 2 साल की थीं, तब उनके माता-पिता अलग हो गए थे और उनकी मां उन्हें लेकर दिल्ली आ गई थीं। पिता की ओर से वे असम के पूर्व गवर्नर और हैदराबाद राज्य के पूर्व प्रधानमंत्री सर मुहम्मद सालेह अकबर हैदरी की परपोती हैं और मां की ओर से वे तेलंगाना के वनापार्थी संस्थान के राजा जे. रामेश्वर राव की नातिन हैं। हालांकि, राजसी परंपराओं और प्रतिष्ठित पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अभिनय की दुनिया को अपना करियर चुना। उन्होंने अपने अभिनय कौशल, सौंदर्य, सादगी और मेहनत के बल पर भारतीय सिनेमा में एक विशिष्ट पहचान बनाई। अदिति राव हैदरी अभिनय कला में निपुण होने के साथ-साथ प्रशिक्षित भरतनाट्यम नृत्यांगना भी हैं। उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम कर सिनेमा की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाई। अभिनेत्री का शास्त्रीय नृत्य (भरतनाट्यम) की ओर रुझान मुख्य रूप से उनके पारिवारिक माहौल और कलात्मक परिवेश के कारण हुआ था। अभिनेत्री की मां विद्या राव एक मशहूर ठुमरी और दादरा गायिका है। बचपन से ही घर में संगीत और कला का माहौल होने की वजह अभिनेत्री ने बेहद कम उम्र से ही भरतनाट्यम सीखना शुरू कर दिया था और उन्होंने इसकी शिक्षा जानी-मानी भरतनाट्यम नृत्यांगना लीला सैमसन ली थी। **(एजेंसी)**

सैयामी खेर की अपकमिंग फिल्म का रूस कनेक्शन, बोलीं-भाषा की दीवार लांघना मजेदार था

अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है। अपने अनुभव को शेयर करते हुए सैयामी खेर ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल अलग और नया अनुभव था। पूरी तरह से विदेशी क्रू के साथ काम करना मजेदार अनुभवों में से एक था। हमने रूस में शूटिंग की और यह पहली बार था जब मैं वहां गई थी।' अभिनेत्री ने मॉस्को की तारीफ करते हुए बताया कि वहां पर काम करने का अनुभव भारत के मुकाबले अलग था। उन्होंने कहा, फिल्म का पूरा अनुभव शानदार रहा। वहां काम करने का माहौल मेरे अब तक के अनुभव से काफी अलग था और मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत मजा आया। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में ऐसे कई और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनूंगी। उन्होंने कहा, भाषा और सीमाओं से परे जाकर काम करना बहुत मजेदार होता है। अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है और आपको उन लोगों से सीखने का मौका मिलता है जो अपने-अपने अनोखे अंदाज में सिनेमा को देखते हैं। यह एक शानदार अवसर था जिसका हिस्सा बनकर मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। हालांकि अभी फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी देना जल्दबाजी होगी लेकिन यह एक ड्रामा फिल्म है जिसके केंद्र में एक मजबूत महिला किरदार है। कार्तिना एंटरटेनमेंट, व्हाइट नाइट फिल्म्स और विश मीडिया द्वारा निर्मित यह फिल्म एक क्रॉस-कल्चरल सहयोग है, जो एक दमदार ड्रामा के जरिए सिनेमा की सार्वभौमिक भाषा को दर्शाती है। फिल्म का निर्देशन निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं। सैयामी पिछली बार बड़े पर्दे पर क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हैवान' में नजर आई थीं, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और निर्देशित किया था। यह प्रियदर्शन की ही 2016 की मलयालम फिल्म 'ओप्पम' की रीमेक है और इसमें अक्षय कुमार, सैफ अली खान, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर, सैयामी खेर मुख्य भूमिका में हैं जबकि मोहनलाल कैमियो में नजर आए हैं। 'हैवान' 18 साल बाद अक्षय कुमार और सैफ अली खान के रीयूनियन वाली फिल्म थी, इससे पहले दोनों ने करीना कपूर खान स्टारर 'टशन' में साथ काम किया था। **(एजेंसी)**

बच्चों की जिज्ञासा को कम नहीं आंकना चाहिए, उनकी नजर से दुनिया को देखना बेहद खूबसूरत है : रसिका दुग्गल

एक्ट्रेस रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म 'लिटिल थॉमस' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में फिल्मों के बदलते अंदाज पर बात की और कहा कि आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स के लिए कई रास्ते खोल दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी सरल कहानियों की अपनी खास अहमियत है। रसिका ने कहा, 'आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स को कई तरह की रास्ते दिए हैं। ऐसे में फिल्मों में बड़े स्तर और भव्यता पर जोर देना स्वाभाविक है। लेकिन कभी-कभी इस सबके बीच हम ऐसी कहानी की खूबसूरती भूल जाते हैं, जो सरल हो, लेकिन सतही न हो।' उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर कौशल ओझा के फिल्म बनाने के अंदाज की तारीफ करते हुए कहा कि उनका शांत और सहज तरीका उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। उनकी कहानी कहने के अंदाज में एक अलग तरह का भरोसा नजर आता है। उनकी फिल्मों को दर्शकों से जुड़ने के लिए किसी भव्य सेट या उलझी हुई कहानी की जरूरत नहीं होती। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'कहानी कहने के उनके अंदाज में यह भरोसा है कि किसी फिल्म को दर्शकों से जुड़ने के लिए हमेशा भव्य माहौल या पेचीदा कहानी की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी सबसे साधारण विचार ही सबसे दिलचस्प कहानियां बन जाते हैं, क्योंकि वे जिंदगी के हमारे अपने अनुभवों और नजरिए को दिखाते हैं।' रसिका ने कहा, 'फिल्म 'लिटिल थॉमस' में एक बच्चे की जिज्ञासा और भाई-बहन की चाहत के जरिए परिवार, बचपन, शादीशुदा जिंदगी के उतार-चढ़ाव और लिबरलाइजेशन के बाद के भारत की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में थॉमस नाम का एक बच्चा यह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं। साथ ही, वह अपने लिए एक भाई या बहन भी चाहता है। उसकी यही जिज्ञासा कहानी को आगे बढ़ाती है।' रसिका ने कहा, 'मुझे लगता है कि इन सभी बातों को एक बच्चे की नजर से देखना बेहद खूबसूरत है। यह हमें याद दिलाता है कि हमें बच्चों की जिज्ञासा को कम नहीं आंकना चाहिए और न ही उनके सवालों को नजरअंदाज करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि हम ऐसी फिल्में बनाते रहेंगे, जो अपने विचारों की ताकत पर भरोसा करती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी साधारण कहानियों को भी अपनी जगह देती हैं।' कौशल ओझा के निर्देशन में बनी 'लिटिल थॉमस' को अनुराग कश्यप का समर्थन मिला है। फिल्म में रसिका दुग्गल के साथ गुलशन देवैया और हृदांश पारेख भी अहम भूमिकाओं में हैं। **(एजेंसी)**

'धूम गर्ल' की इमेज पर बोलीं ईशा देओल, कहा- मुझे इस पहचान पर गर्व है

अभिनेत्री ईशा देओल एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म 'प्रताप' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें गर्व होता है, जब लोग उन्हें आइकॉनिक 'धूम गर्ल' वाली इमेज से याद करते हैं। ईशा देओल ने कहा, 'यह पहचान उनके करियर का एक यादगार हिस्सा है और आज भी फैंस के बीच काफी पसंद की जाती है।' उन्होंने कहा, 'मैंने इस पहचान को गर्व के साथ अपनाया है और यही मेरी पहचान है। जब भी लोग मुझे दिलबरा और धूम गर्ल कहकर बुलाते हैं, तो मुझे अच्छा लगता है, क्योंकि इस इमेज ने दर्शकों के सामने मुझे पहचान दी है, जो बहुत से एक्टर्स को नहीं मिल पाती है।' ईशा देओल ने अपनी मां हेमा मालिनी का उदाहरण देते हुए कहा, मेरी मां ने अपने लंबे करियर में बहुत-सी फिल्मों में काम किया है, लेकिन लोग आज भी उन्हें देखते ही कहते हैं, 'बसंती आई है।' मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में 'दिलबरा' और 'धूम गर्ल' कहा जाता है और मुझे इससे बहुत प्यार है। कोई शिकायत नहीं है। बता दें कि अभिनेत्री ईशा देओल को 'धूम गर्ल' की इमेज साल 2004 में यशराज फिल्म्स की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धूम' से मिली थी। फिल्म में ईशा ने 'शीना' का किरदार निभाया था। इसमें उनके आधुनिक, स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। इस फिल्म के गाने 'दिलबरा' में ईशा के लुक (नियॉन ग्रीन क्रॉप टॉप और डेनिम मिनी-स्कर्ट वाला वेट गर्ल लुक) ने उन्हें रातों-रात चर्चा में ला दिया था। फिल्म रिलीज होने के बाद दर्शकों ने उन्हें 'धूम गर्ल' कहकर पुकारना शुरू कर दिया था, जो उनकी पहचान बन गई थी। अभिनेत्री की बात करें, तो वह फिल्म 'प्रताप' में 'पूनम' (पूनम रानाडे) का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में अमित साध मुख्य किरदार 'प्रताप रानाडे' (एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट) की भूमिका निभा रहे हैं, और पूनम इस कहानी में एक अहम और मजबूत पक्ष हैं। **(एजेंसी)**

भारत विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा, 'मेक इन इंडिया' से मोबाइल उत्पादन को बढ़ावा : नवीन

पणजी (एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल और कौशल विकास से देश की औद्योगिक क्षमताओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने मोबाइल फोन विनिर्माण में वृद्धि का भी उल्लेख किया। गोवा में युवाओं से बातचीत करते हुए नवीन ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी ने कई औद्योगिक क्षेत्रों में विनिर्माण की वृद्धि को गति दी थी।

उन्होंने इस गति को बनाए रखने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने के महत्व पर जोर दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और भाजपा की गोवा इकाई के अध्यक्ष दामोदर नाइक भी मौजूद थे। नवीन ने कहा कि भारत को लंबे समय तक मुख्य रूप से जनशक्ति और कच्चे माल के स्रोत के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन कौशल विकास पर जोर देने से देश को अपनी विनिर्माण क्षमताएं विकसित करने तथा वैश्विक स्तर पर अधिक पहचान हासिल करने में मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा, 'पहले भारत को जनशक्ति और कच्चे माल के स्रोत के रूप में देखा जाता था। कुशल श्रमिकों की कमी के कारण हमें वह पहचान, सम्मान और स्थान नहीं मिला जिसके हम हकदार थे।' नवीन ने 'मेक इन इंडिया' पहल से आए बदलावों के उदाहरण के रूप में मोबाइल फोन विनिर्माण में वृद्धि का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण करने वाला देश बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण का विस्तार करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करना महत्वपूर्ण है कि भारत की औद्योगिक वृद्धि से उसके लोगों के लिए अधिक अवसर पैदा हों। कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौर को याद करते हुए नवीन ने कहा कि कई औद्योगिक क्षेत्रों में तेजी से वृद्धि हुई थी। उन्होंने महामारी के दौरान बिहार जैसे राज्यों के कुशल श्रमिकों को लेकर मुख्यमंत्री सावंत के साथ हुई बातचीत का भी जिक्र किया। नवीन ने केंद्रीय बजट में विनिर्माण को समर्थन देने के लिए करीब 20,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित आवंटन का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य वाहन कलपुर्जों और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन को मजबूत करना है। विनिर्माण पर सरकार के जोर से भारतीयों में देश में बने उत्पादों के प्रति गर्व की भावना बढ़ रही है और घरेलू उत्पादन को लेकर उत्साह पैदा हो रहा है।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर, सेंसेक्स 600 अंक से अधिक टूटा

मुंबई (एजेंसी)

घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयर में गिरावट, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले सतर्कता के कारण बाजार में कमजोरी रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 601.14 अंक फिसलकर 72,997.55 अंक पर और एनएसई निफ्टी 146 अंक टूटकर 22,604.80 अंक पर आ गया।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इंजीनियरिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो का शेयर चार प्रतिशत से अधिक चढ़ा। कंपनी के जुलाई-सितंबर तिमाही में अधिक राजस्व के दम पर उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 32.5 प्रतिशत बढ़कर 5,202.10 करोड़ रुपये होने की जानकारी देने के बाद से इसके शेयर में तेजी आई है। वहीं भारतीय स्टेट बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर भी बढ़त में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉस्पी में 6.11 प्रतिशत की तेजी आई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव 1.36 प्रतिशत बढ़कर 115.4 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 4,240.39 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स मंगलवार को 8.08 अंक और निफ्टी 3.45 अंक टूटकर बंद हुआ था।

जियो प्लेटफॉर्म्स की बाजार में जोरदार शुरुआत, दूसरी सबसे मूल्यवान भारतीय कंपनी बनी

मुंबई (एजेंसी)

जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड बुधवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत के बाद बाजार मूल्यांकन के लिहाज से भारत की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज समर्थित डिजिटल सेवा कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 1,119 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 21.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,358 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शुरुआती कारोबार के दौरान कंपनी का बाजार मूल्यांकन 12,50,586.39 करोड़ रुपये रहा। घरेलू बाजार पूंजीकरण की सूची में जियो प्लेटफॉर्म्स केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज से पीछे है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 15,89,937.97 करोड़ रुपये है।

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष पांच कंपनियों में 15.89 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर है। इसके बाद सूची में जियो प्लेटफॉर्म्स 12.50 लाख करोड़ रुपये, भारती एयरटेल 12.05 लाख करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक 10.42 लाख करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 9.80 लाख करोड़ रुपये के बाजार मूल्यांकन के साथ शामिल हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 28.40 लाख करोड़ रुपये है। जयो प्लेटफॉर्म्स के 30,213 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के मुकाबले 22.19 गुना बोलियां मिली थीं। सार्वजनिक निर्गम तथा बड़े (एंकर) निवेशकों को शेयर आवंटन को मिलाकर कुल मांग सात लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई थी।

एआई के दौर में भारतीय को सशक्त बनाना जियो का लक्ष्य : आकाश

मुंबई (एजेंसी)

जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रबंध निदेशक आकाश अंबानी ने बुधवार को कर्मचारियों से कहा कि कंपनी का शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना 'हमारी मंजिल नहीं' बल्कि 'एक नई शुरुआत' है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के दौर में अगले दशक में कंपनी का लक्ष्य हर भारतीय को अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल करने के लिए सशक्त बनाना होना चाहिए।

जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) के बुधवार को भारतीय शेयर बाजारों में कारोबार की शुरुआत करने की पृष्ठभूमि में आकाश अंबानी ने कर्मचारियों को यह संदेश भेजा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज समर्थित डिजिटल सेवा कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर ने बुधवार को शानदार शुरुआत की। शेयर 1,119 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 21 प्रतिशत से अधिक चढ़ गए और कंपनी बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई। कर्मचारियों को भेजे ईमेल में आकाश अंबानी ने कहा कि कंपनी को अब प्रौद्योगिकी बदलाव की अगली लहर का नेतृत्व करना चाहिए। उन्होंने लिखा, 'हर जगह उपलब्ध संपर्क से लेकर डिजिटल सेवाओं तक और क्लाउड से लेकर कृत्रिम मेधा (एआई) तक, हमें एक बार फिर प्रौद्योगिकी बदलाव की अगली लहर का नेतृत्व करना होगा। इसके तहत दुनिया की सबसे उन्नत प्रौद्योगिकियों को हर भारतीय के लिए किफायती, सुलभ और सार्थक बनाना होगा।'

कर्मचारियों को भेजे संदेश में उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में सूचीबद्धता के साथ 'जिम्मेदारी बढ़ी है, अपेक्षाएं बढ़ी हैं तथा भारत के डिजिटल भविष्य को आकार देने का अवसर और बड़ा हुआ है।' उन्होंने कहा कि हालांकि अब तक संपर्क से वंचित हर भारतीय को जोड़ने का कंपनी का संकल्प अब भी कायम है। इस दिन को रिलायंस परिवार के लिए ऐतिहासिक बताते हुए अंबानी ने कहा कि महज 10 वर्ष में जियो एक महत्वाकांक्षी विचार से भारत के सबसे महत्वपूर्ण उद्यमों में शामिल हो गई है। इस यात्रा का समापन भारत के अब तक के सबसे बड़े आईपीओ के साथ हुआ। उन्होंने रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी के दृष्टिकोण को इसका श्रेय देते हुए कहा कि समूह का दर्शन बड़े सपने देखना, दीर्घकालिक सोच रखना और उत्कृष्टता के साथ काम को अंजाम देना है। आकाश अंबानी ने कहा कि डेटा को किफायती बनाकर और लाखों लोगों को डिजिटल मुख्यधारा में लाकर जियो ने भारत के जुड़ने, संवाद करने, सीखने और काम करने के तरीके को बदल दिया है।